



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खोल दियांग तैराकों ने रचा इतिहास, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ... @ विचार अब 'वृक्ष प्रत्यारोपण कानून' बनाने का समय... @ व्यापार सेंसेक्स 308 अंक उछलकर बंद...

9.34 करोड़ किसान परिवारों को मिले 18,680 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी



एजेंसी ■ भीलडी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा जिले के धिलडी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के खातों में 18,680 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से किसानों को भेजी गई।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम के तहत यह किस्त जारी की गई। इसका उद्देश्य किसानों को जारी वित्तीय सहायता को मजबूती देना और कृषि क्षेत्र में आय समर्थन प्रदान करना है। इस किस्त का सबसे बड़ा लाभ गुजरात के किसानों को भी मिला। राज्य के 52.33 लाख से अधिक किसान परिवारों के खातों में 1,051 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता

राशि हस्तांतरित की गई। गुजरात के कृषि मंत्री जीतू वघाणी ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के बाद मीडिया को इसकी जानकारी दी थी। वघाणी के अनुसार, योजना की पहली 23 किस्तों के माध्यम से देशभर के 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को कुल 4.47 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की सहायता प्रदान की जा चुकी है। वहीं गुजरात में अब तक 69.26 लाख लाभार्थी किसानों को 24,137 करोड़

रुपए से अधिक की राशि भेजी जा चुकी है। 24वीं किस्त जारी करने के अवसर पर देशभर में कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया। गुजरात में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 34 जिला स्तरीय कार्यक्रमों और 2,100 से अधिक क्लस्टर स्तरीय आयोजनों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

'बनासकांठा के किसान खुद आलू को सोना बना रहे हैं', पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात के बनासकांठा जिले के किसानों ने इस क्षेत्र को आलू उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं है, जो आलू से सोना बनाने का वादा करे, क्योंकि वे अपने काम के जरिए पहले से ही ऐसा कर रहे हैं।

क्षेत्र की कृषि प्रगति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नर्मदा के पानी की उपलब्धता और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक सिंचाई पद्धतियों को अपनाने से बनासकांठा का कृषि परिदृश्य बदल गया है।

उन्होंने भीलडी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'बनासकांठा के आलू अब पूरी दुनिया में मशहूर हैं। किसी को यहां आकर यह कहने की जरूरत नहीं है कि वे आलू से सोना बना देंगे। यहां के लोग खुद कह सकते हैं कि वे पहले से ही ऐसा कर रहे हैं।'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 12 नवंबर, 2017 को पाटन जिले में अपने भाषण में 'आलू अंदर, सोना बाहर' का जिक्र किया था।

उत्तराखंड: जोशीमठ हेलीकॉप्टर क्रैश में पायलट समेत 6 लोगों की मौत

एजेंसी ■ देहरादून

उत्तराखंड के जोशीमठ के पास बद्दीनाथ से सहस्त्रधारा जा रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच यात्रियों और पायलट की मौत हो गई।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही उत्तराखंड पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और सेना की संयुक्त टीमों ने बचाव और राहत कार्यों के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। इन टीमों ने पायलट समेत सभी छह लोगों के शव दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम दुर्घटनास्थल से सभी शवों को सड़क मार्ग से जुड़े सुरक्षित स्थान पर ले जाने का अभियान जारी है।

पुलिस ने बताया कि निजी विमानन कंपनी द्वारा संचालित हेलीकॉप्टर के पायलट की पहचान कैप्टन हिमांशु सभरवाल के रूप में हुई है, जबकि यात्रियों में प्रताप, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एचएस. नटराज शामिल हैं। ये सभी



कर्नाटक के निवासी थे। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर में कोई महिला या बच्चा सवार नहीं था।

इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि ट्रांस भारत एविएशन का एक हेलीकॉप्टर दोपहर लगभग 1.12 बजे बद्दीनाथ सिविल हेलीपैड से सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए रवाना हुआ।

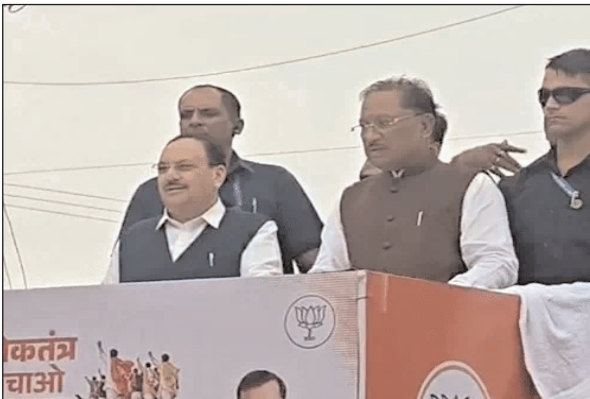
दोपहर लगभग 1.14 बजे जोशीमठ के पास विमान से संपर्क टूट गया। उन्होंने कहा कि आसपास के

इलाके में तैनात स्थानीय कर्मियों ने सूचना दी कि हेलीकॉप्टर काफी ऊंचाई पर उड़ते हुए नीचे घाटी की ओर जाता हुआ देखा गया।

हेलीकॉप्टर का पायलट दिल्ली निवासी हिमांशु सभरवाल था, उसके साथ कर्नाटक के पांच यात्री भी सवार थे। उन्हें ढूंढने और उनके ठिकाने के बारे में पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीडीए) के अनुसार, जोशीमठ घाटी के ऊपर से उड़ते समय हेलीकॉप्टर का संपर्क टूट गया।

दुर्ग में जेपी नड्डा की एसआईआर के समर्थन में पदयात्रा, कहा- अराजकता से बचने की जरूरत



संवाददाता ■ दुर्ग

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा दुर्ग पहुंचे और दिल्ली में एक नवंबर को आयोजित कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ आयोजित सभा में 'जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जब इलेक्शन जीत जाए तो वह होशियार और हार जाए तो इलेक्शन कमीशन खराब कहते हैं। आज हमें इसी अराजकता से बचने की आवश्यकता है। विपक्षी दल लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ये वहीं लोग हैं जिन्होंने इमरजेंसी

लगाई थी। कार्यक्रम के शुरुआत में अच्छी-खासी भीड़ रही। लेकिन केंद्रीय मंत्री के भाषण के दौरान कई लोग बाहर जाते रहे। जिन्हें रोकने के लिए गेट पर रोक लगा दी गई। इसके बाद विशेष गहन पुनरीक्षण के समर्थन में पदयात्रा निकाली गई। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' कार्यक्रम के तहत नड्डा इस पदयात्रा में शामिल हुए।

पदयात्रा के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के लगाए आरोपों को कोई सच्चाई नहीं है। कांग्रेस ने सिर्फ भ्रम फैलाने का काम किया है।



रामलीला मैदान में गूंजेगी रायपुर कांग्रेस की आवाज, सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली रवाना

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आज दिल्ली के लिए रवाना हुए।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता हमसफर एक्सप्रेस के माध्यम से दिल्ली पहुंचेंगे। इसके अलावा शहर कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बस, निजी कार तथा हवाई यात्रा के माध्यम से भी दिल्ली पहुंचकर महारैली में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

दिल्ली में आयोजित इस महारैली में शामिल होने के लिए रायपुर शहर के विभिन्न ब्लॉक, मंडल एवं वार्डों से कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता रवाना हुए हैं। महारैली



को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली लोकतंत्र और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और प्रत्येक नागरिक के मतदान के

अधिकार की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद कर रही है।

उन्होंने कहा कि रायपुर शहर कांग्रेस के सैकड़ों साथी दिल्ली पहुंचकर इस अभियान में अपनी भागीदारी निभाएंगे। हमारा उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को मजबूत करना और मताधिकार से जुड़े सवाल को देश के सामने रखना है। लोकतंत्र में जनता का वोट उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इस ताकत की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

पाँच महीने से राशन नहीं मिलने पर भड़के ग्रामीण, दुकान में जड़ा ताला

400 हितग्राहियों को कई माह से राशन नहीं मिलने का दावा, 25 लाख रुपये के राशन की हेराफेरी का आरोप

लखनपुर ■ रिक्की

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाला सरकारी राशन उनके भरण-पोषण का प्रमुख सहारा है। लेकिन जब इसी राशन के लिए हितग्राहियों को महीनों तक इंतजार करना पड़े और वितरण में अनियमितता के आरोप सामने आए, तो ग्रामीणों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। ऐसा ही मामला सरगुजा जिले के लखनपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गोरता में सामने आया है। यहां पांच महीने से राशन नहीं मिलने और वितरण में कथित गड़बड़ी से नाराज ग्रामीणों ने राशन दुकान में ताला जड़ दिया। दुकान के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन करने के बाद सैकड़ों ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर



जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राशन नहीं मिलने से बड़ा आक्रोश, दुकान के सामने किया प्रदर्शन

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत गोरता में संचालित राशन दुकान में वितरण व्यवस्था लंबे समय से मनमाने तरीके से चल रही है। हितग्राहियों को समय पर राशन नहीं दिया जा रहा है, जबकि कई लोगों को महीनों से खाद्यान्न के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने राशन दुकान संचालक पर गंभीर लापरवाही और वितरण में अनियमितता के आरोप लगाते हुए विरोध

तहसील पहुंचे ग्रामीण, कार्रवाई की मांग

राशन दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण पिकअप सहित अन्य वाहनों से तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने तहसीलदार लखनपुर अमन चतुर्वेदी के समक्ष आवेदन सौंपकर मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

तहसीलदार अमन चतुर्वेदी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से चर्चा करने की बात कही। अब आगे की कार्रवाई और जांच को लेकर प्रशासन के स्तर पर क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर ग्रामीणों की नजरें टिकी हुई हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं होती और हितग्राहियों को नियमित रूप से राशन मिलना शुरू नहीं होता।

खबर झरोखा

भाजपा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा का निधन



दुर्ग। जिले की अहिंवारा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा का निधन हो गया है। उन्होंने 78 वर्ष की उम्र में हैदराबाद में इलाक़ के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से छत्तीसगढ़ की राजनीति में शोक का माहौल है। दो दिन पहले प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की थी। डोमन लाल कोर्सेवाड़ा का हैदराबाद में उपचार चल रहा था। इसी दौरान उनका निधन हो गया। दो दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।



कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता पाना नहीं, देश में अराजकता उत्पन्न करना है: डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

संवाददाता ■ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों पर कड़ा प्रहार किया है। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत शुक्रवार दोपहर राजधानी पहुंचे भाजपा सांसद व राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. त्रिवेदी भाजपा प्रदेश कार्यालय में आहूत महती पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। आज दुनिया में



34-35 प्रतिशत जनता ही पूर्ण रूप से लोकतंत्र से जुड़ी हुई है जिसका 17% भारत है। भारत को दुनिया के लोकतंत्र

और जहाँ विश्व के अनेक देश गंभीर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक संकटों से जूझ रहे हैं, वहीं भारत विश्व पटल पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कर रहा है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि भारत की यह मजबूती और आर्थिक प्रगति विश्व की बहुतांसी शक्तियों को रास नहीं आ रही है। भारत के अंदर और बाहर सक्रिय यह शक्तियाँ अनेक तरह के प्रपंच और षड्यंत्र रच रही हैं।

वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य की चर्चा करते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि

चुनाव की प्रक्रिया में मतदाता सूची सबसे पहले जिला अध्यक्ष को दी जाती है। अगर कांग्रेस पार्टी कहती है कि वहाँ भी उन्होंने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई, तो क्या वह अपने ही जिला अध्यक्षों को नाकारा बता रही है? उसके बाद सूची राज्य चुनाव आयोग के पास जाती है, वहाँ भी आपत्ति दर्ज करने का प्रावधान है। यदि वहाँ भी आपत्ति नहीं की, तो क्या कांग्रेस अपनी प्रदेश इकाई को भी नाकारा बता रही है? इसके बाद यह सूची केंद्रीय चुनाव आयोग के पास जाती है, वहाँ भी आपत्ति दर्ज की जा सकती है।

खेतों में डूबी धान की फसल, किसानों के टूट गए दीपावली के सपने

विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। अर्नव तूफान के प्रभाव से लगातार दो दिनों तक हुई बारिश ने छत्तीसगढ़ के किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में लहलहाती धान की फसल बारिश के पानी में डूब गई है। कहीं खेतों में पानी भरने से फसल प्रभावित हुई है, तो कहीं तैयार धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। इस बारिश ने सिर्फ किसानों की फसल ही नहीं डुबोई, बल्कि उनके परिवार के सपनों और त्योहार की खुशियों पर भी संकट खड़ा कर दिया है।



थी कि महीनों की मेहनत के बाद धान की फसल तैयार होगी और उपज बेचकर घर-परिवार की जरूरतें पूरी करेंगे। लेकिन अचानक हुई बेमौसम बारिश ने उनकी इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आज किसानों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब खेतों में खड़ी फसल ही बर्बाद हो गई, तो परिवार की जरूरतें कैसे पूरी होंगी? बच्चों की दीपावली कैसे मनेगी और घर के जरूरी खर्चों का इंतजाम कहाँ से

होगा? जिस फसल के सहारे किसान पूरे साल की आर्थिक व्यवस्था बनाते हैं, उसी फसल पर संकट आने से उनके सामने गंभीर आर्थिक चुनौती खड़ी हो गई है। हालांकि सरकार ने बारिश से प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे कराकर नियमानुसार मुआवजा देने का ऐलान किया है। लेकिन किसानों को राहत मिलने में कितना समय लगेगा और उन्हें वास्तविक नुकसान के अनुपात में कितनी सहायता मिल

पाएगी, यह आने वाला समय बताएगा। किसानों की मांग है कि नुकसान का निष्पक्ष और शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा दीपावली से पहले प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने के लिए ठोस पहल की जाए। गौरतलब है कि किसानों की फसल का नुकसान केवल एक परिवार की आर्थिक क्षति नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे ग्रामीण बाजार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार में जब किसानों की जेब खाली होगी, तो बाजारों में भी खरीदारी प्रभावित होना स्वाभाविक है। ऐसे में बारिश से हुआ यह नुकसान किसानों के साथ-साथ व्यापारियों और सरकार के लिए भी चिंता का विषय बन सकता है। इस बार किसानों के खेतों में सिर्फ धान नहीं डूबा है, बल्कि उनके बच्चों की खुशियां, परिवार की जरूरतें और दीपावली को लेकर संजोए गए सपने भी बारिश की भेंट चढ़ गए हैं।

1,21,359 किसानों के खाते में आए 24.75 करोड़ रुपये

विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (अमित नामदेव)। कृषि विज्ञान केंद्र जांजगीर-चांपा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी किए जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।



जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त किसानों के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की गई। जिले के 1,21,359 किसानों के डीबीटी बैंक खाते में 24.75 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। यह कार्यक्रम कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों को 18,680

करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हस्तांतरण किया। कृषि विभाग के उप संचालक राकेश कुमार शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ रबी फसलों में धान के अलावा दलहन एवं तिलहन फसलों के क्षेत्र में विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने जिले के किसानों को मिट्टी परीक्षण कराने की भी जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. के. डी. महंत ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व और लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि और उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में 123 से अधिक किसान एवं जनप्रतिनिधि तथा विकासखंडों में 320 कृषक, तथा ग्राम पंचायत स्तर पर 2116 से अधिक कृषकों को सीधा प्रसारण दिखाया गया। साथ ही कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहौद एजुकेशन सोसायटी में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। राहौद एजुकेशन सोसाइटी राहौद,जिला जांजगीर-चांपा(छ. ग.) में 28 अक्टूबर को नवप्रवेशित प्रशिक्षार्थियों के स्वागत हेतु फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन किया गया।



कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों का स्वागत करना तथा वरिष्ठ एवं कनिष्ठ विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल, सहयोग और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह (प्राचार्य, सीताराम कश्यप कॉलेज ऑफ फार्मेसी) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरव वर्मा (उपप्राचार्य,सीताराम कश्यप कॉलेज ऑफ फार्मेसी) उपस्थित

रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।फिर प्रशिक्षार्थियों के द्वारा वहां उपस्थित मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि,प्राचार्य एवं प्राध्यापक गणों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक

कार्यक्रम में स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कनक सिंहा एवं प्राध्यापक गण रामनारायण कश्यप (क्रीड़ा अधिकारी), जी.पी. कौशिक, अनिरुद्ध कश्यप (लाइब्रेरियन), श्याम साहू, प्रदीप वर्मा, जयराम कश्यप (कार्यक्रम अधिकारी), सुधा कश्यप (सहायक कार्यक्रम अधिकारी) एवं अनिल कश्यप उपस्थित रहे।

साथ ही महाविद्यालय के नवप्रवेशित प्रशिक्षार्थियों अनीशा, जलेश्वर,वृत्तिका,पल्लवी,मालती,आकांक्षा,जागेश्वर,ओमिता,प्रमोद,गंगा, भूमिसुरा, आँचल,नीलम,आशुतोष तथा सीनियर प्रशिक्षार्थियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

पोस्टर मेकिंग में छात्र-छात्राओं ने लिंग समानता और पर्यावरण सुरक्षा का उदाया मुद्दा

महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का मव्य शुभारंभ

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में आज से तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ।शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी के द्वारा किया गया प्रतियोगिता के पहले चरण में पहले दिन तीन प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। इसमें मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता वेस्ट फॉर वेस्ट प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 26



पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया।इसमें प्रतियोगिता की विजेता गीतांजलि यादव बीसीए प्रथम वर्ष ने लैंगिक समानता का मुद्दा उठाया वहीं धृति स्थान बनाने वाली तांसीम खान बीकॉम पंचम सेमेस्टर की छात्रा ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को रेखांकित किया।

जबकि इसी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान बनाने वाली प्रतिभागी ने पर्यावरण सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की प्रतियोगिता के निर्णायक अर्जुन नाग सोम गोस्वामी और विवेक प्रकाश साहू रहे। जिन्होंने प्रतियोगियों के प्रदर्शन की सराहना की प्रतियोगिता के दूसरे

सेगमेंट सलाद डेकोरेशन में रश्मि साहू प्रथम स्थान पर रही।इन्होंने फल सब्जी के माध्यम से टेडी बेयर तैयार किया था।दूसरा स्थान बनाने वाले प्रीति वर्मा ने क्लॉक को दर्शाया जबकि तीसरा स्थान बनाने वाले रमेश बघेल डीसीए फर्स्ट सेम ने पीकॉक बनाकर के अपनी कल्पना का अद्भुत चित्रण प्रस्तुत किया।इस प्रतियोगिता के निर्णायक डॉक्टर श्रुति तिवारी डॉक्टर सुधीर जैन एवं सना खान रही। प्रतियोगिता का बेहद आकर्षक सेगमेंट बेस्ट ऑफ वेस्ट मे प्रथम स्थान दीक्षा ने प्राप्त किया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में दवाइयों की कमी, मरीजों की परेशानी बढ़ी व्यवस्था पर सवाल



विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता तक पहुंचाने की योजनाओं के बीच शिवरीनारायण और नगर पंचायत खरीद क्षेत्र में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाया जा रहा है कि मेडिकल बस में सदी, खांसी, बुखार और पेट दर्द जैसी सामान्य बीमारियों की दवाइयां भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। इससे इलाज के

लिए पहुंचने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्देश्य लोगों को उनके नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराना है। लेकिन दवाइयों की कमी की शिकायतों ने इस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पत्रकार पप्पू यादव ने भी इस मामले को उठाते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और विभागीय जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं।

दवाइयों की मांग के बाद कर्मचारी के स्थानांतरण का आरोप
मामले में एक और आरोप सामने आया है कि मोबाइल मेडिकल यूनिट में पदस्थ कर्मचारी ने दवाइयों की कमी को लेकर विभागीय अधिकारियों से मांग की थी। आरोप है कि इसके बाद कर्मचारी का तत्काल स्थानांतरण कर दिया गया और उस पर दबाव बनाया गया। हालांकि, स्थानांतरण के वास्तविक कारणों और दवाइयों की मांग से इसके संबंध की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग का पक्ष भी सामने आना आवश्यक है।
दवाइयों की उपलब्धता और खर्च का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग
मोबाइल मेडिकल यूनिट में दवाइयों की उपलब्धता को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। यूनिट के लिए कितनी दवाइयां खरीदी गईं, उन्हें किस मात्रा में उपलब्ध कराया गया। रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27.10.2026 को सिर दर्द की शिकायत पर उसके पति उसे रायपुरा गांव में क्लीनिक चलाने वाले आरोपी के पास इलाज कराने लेकर गए थे। आरोप है कि न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार प्रार्थिना ने 28.10.26 को थाना में लिखित



विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (अमित नामदेव)। थाना बाराद्वार पुलिस ने दुष्कर्म के प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर क्लीनिक में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार प्रार्थिना ने 28.10.26 को थाना में लिखित

रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27.10.2026 को सिर दर्द की शिकायत पर उसके पति उसे रायपुरा गांव में क्लीनिक चलाने वाले आरोपी के पास इलाज कराने लेकर गए थे। आरोप है कि न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार प्रार्थिना ने 28.10.26 को थाना में लिखित

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना बाराद्वार में धारा 64(2) बीएनएस, 3(ii)(v) एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शक्ति भुवनेश्वरी पैकारा के मार्गदर्शन में निरीक्षक नरेन्द्र यादव थाना प्रभारी बाराद्वार एवं पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट के 08 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा।

उक्त कार्रवाई में निरीक्षक नरेन्द्र यादव, सडिन यशवंत राठौर, मप्रआर श्यामा जायसवाला, प्रधान आरक्षक मनीष राजपूत, मप्रआर श्रीकांत सेंगर, प्रआर प्रेमनारायण राठौर, आर योगेश राठौर, आर राकेश राठौर एवं मआर रूपा लहरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

1 नवम्बर को छुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन

छुरा (मानसिंह)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मंडल छुरा एवं खंड छुरा के तत्वावधान में विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन का आयोजन 1 नवम्बर, बुधवार को किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर संघ के स्वयंसेवकों द्वारा तैयारियों की जा रही हैं। आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में गरियाबंद जिला सहकार्यवाह भोपेंद्र साहू तथा मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मीनारायण अस्पताल, छुरा नगर के संचालक डॉ. ज्योति नारायण दुबे शामिल होंगे।

संघ के मतानुसार विजयादशमी का पर्व शक्ति उपासना का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉ. केशव बरियाराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन ही संघ की स्थापना की थी। उनके विचारों एवं संस्कारों से प्रेरित होकर स्वयंसेवक राष्ट्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संघ के मूल्यों और विचारों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्वयंसेवक दोपहर 2 बजे बस स्टैंड, छुरा में एकत्रित होंगे। दोपहर 2.30 बजे से पथ संचलन प्रारंभ होगा, जबकि दोपहर 3.30 बजे उद्घोषण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में स्वयंसेवकों के अनुशासन, एकजुटता और राष्ट्रसेवक के संकल्प का संदेश दिया जाएगा।

चक्रवात ‘अर्नब’ से प्रभावित किसानों को शीघ्र मिलेगी राहत



विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चक्रवात ‘अर्नब’ के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रभावित किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें समय पर राहत मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे।

मुख्यमंत्री साय ने निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार पात्र किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण से लेकर सहायता राशि के वितरण तक की पूरी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिल सके।

485 बसाहटों को मिलेगी बारहमासी सड़कें दीपावली से पहले बस्तर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

विश्व केसरी■
कबीरधाम (शैलेन्द्र उपाध्याय)।दीपावली से पहले बस्तर संभाग में सड़क संपर्क और जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क के विस्तार की दिशा में केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। बस्तर की 485 बसाहटों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, वहीं 280 अन्य बसाहटों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए 804.06 करोड़ रुपए की लागत के 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान के साथ विकास की गति को तेज करने तथा दूरस्थ गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के राज्य सरकार के प्रयासों को केंद्र सरकार का सहयोग मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री



विजय शर्मा द्वारा बस्तर संभाग की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों, नक्सलवाद से मुक्त हुए गांवों की आवश्यकताओं तथा सड़क एवं पुल संपर्क के विस्तार को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र के माध्यम से इन क्षेत्रों के लिए विशेष शिवराज सिंह चौहान ने बताया है कि वर्तमान में बस्तर संभाग की 1,168 बसाहटों से संबंधित सड़क कार्य विभिन्न चरणों में किया जा रहा है। इनमें से 485 बसाहटों के

चौहान ने पत्र द्वारा सकारात्मक रुख प्रदान किया है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने अपने पत्र में बस्तर में सड़क संपर्क विस्तार की प्रगति, स्वीकृत कार्यों, प्रस्तावित सड़कों एवं पुलों तथा विशेष छूट के संबंध में की जा रही कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के विकास के प्रति केंद्र सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के प्रथम बैच में बस्तर संभाग की 234 बसाहटों के सड़क कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। इनमें बस्तर जिले की 87, बीजापुर की 44, दंतवाड़ा की 12, कांकेर की 41, कोण्डागांव की 34 तथा सुकमा की 16 बसाहटें शामिल हैं।

कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के बैच-2 के अंतर्गत 280 बसाहटों को जोड़ने के लिए 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन सड़कों की कुल लंबाई 841.825 किलोमीटर तथा अनुमानित लागत 804.06 करोड़ रुपए है। वहीं लगभग 474 अन्य चिन्हंकित बसाहटों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के प्रथम बैच में बस्तर संभाग की 234 बसाहटों के सड़क कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। इनमें बस्तर जिले की 87, बीजापुर की 44, दंतवाड़ा की 12, कांकेर की 41, कोण्डागांव की 34 तथा सुकमा की 16 बसाहटें शामिल हैं।

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्वायल नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन कड - 7) :- संगठन कार्वायल आउलेट वीक, रायपुर Email ID - rmznc7@gmail.com पत्र क्रं /... 36702.../ न. पा. नि. जिन कड 7/2026 रायपुर, दिनांक 30-10-2026 इशारेहार नामांतरण प्र.क्र. 36702 वार्ड का नाम - 38 - स्वामी आनन्दन वार्ड एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन भूमि जिसका प्रपंटी आई. डी. RPR717A00119 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती. VISHNU DAS VAISHNAV पिता/पति श्री श्रीमती GIRDHARI DAS VAISHNAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती सरस्वती भोंई पिता / पति श्री श्रीमती अमित भोंई ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमाबिकी नामा। सपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' (जोन कसिम्पनर) जोन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>	<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्वायल नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन कड - 8) :- आर. एच. बी. टी. पुर्य तल, रायगणम, वल्लुपु- Email ID - rmznc9@gmail.com पत्र क्रं /... 36672.../ न. पा. नि. जिन कड 6 2026 रायपुर दिनांक 29-10-2026 इशारेहार नामांतरण प्र.क्र. 36672 वार्ड का नाम 65 - महात्मा मंदिर वार्ड एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रपंटी आई. डी. RPR561A0044A जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SMT. DIPIKA AGRAWAL पिता/पति श्री/श्रीमती SHISHIR AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती SRI PRAKASH SONI पिता/पति श्री श्रीमती S/O BALLU SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कसिम्पनर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--	---

लवन के गौटान में दर्जनभर गौवंश की मौत, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। बलौदाबाजार जिले के लवन नगर पंचायत स्थित गोठान से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां करीब दर्जनों से ऊपर गायों की मौत होने की खबर है। बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत की सूचना के बाद गोठान की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े होने लगे हैं। आखिर गोठान में ऐसा क्या हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में बेजुबान मवेशियों की जान चली गई? क्या जिम्मेदारों ने समय रहते इनकी सुध नहीं ली?

लवन नगर पंचायत का गोठान... जहां बेजुबान मवेशियों की देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी तय की गई है, लेकिन अब इसी गोठान से गायों की मौत का चिंताजनक मामला सामने आया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यहां करीब दर्जनों से ऊपर गायों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत ने गोठान की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की हकीकत जानने के लिए हरिभूमि की टीम मौके पर पहुंची और ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान स्थिति का जायजा लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि गोठान में मवेशियों के लिए चारे, पानी और उचित देखरेख की क्या व्यवस्था थी? क्या समय उपचार काराया गया? आखिर इतनी बड़ी रहते बीमार या कमजोर मवेशियों का संख्या में गायों की मौत कैसे हुई?

गौवंश की सुरक्षा के लिए पंचायत ने की व्यवस्था

विश्व केसरी

आरंग (पवन साहू)। अंचल में खराब मौसम और भारी बारिश के बीच जनसेवा की एक मिसाल सामने आई है। ग्राम पंचायत पलौद द्वारा आधी-तूफान व बारिश के महेनजर बेजुबान गौमाता की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिसकी इलाके में जमकर सराहना हो रही है। बुधवार से जारी तेज हवा व बारिश की स्थिति को भांपते हुए सरपंच हेमकुमार मारकण्डे ने त्वरित संवेदनशीलता दिखाई।

पंचायत क्षेत्र के आम तौर पर आवारा घूमने वाले पशुओं को गोठान में रखा जाता है, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए गौवंश को पूरी तरह महफूज रखने के लिए एक अलग खाली भवन में उनके रहने, खाने और पीने के पानी की मुकम्मल व्यवस्था की गई है। सरपंच एवं सरपंच संघ नया रायपुर के अध्यक्ष हेमकुमार मारकण्डे ने इस संबंध में कहा कि संकट के इस मौसम में बेजुबान गौमाता को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पंचायत प्रशासन पूरी मुस्वीदी से जुटा हुआ है। उन्होंने दो दूक कहा कि जीवों के



प्रति करुणा और संवेदनशीलता ही एक सच्चे जनसेवक की असल पहचान होती है। सरपंच हेमकुमार मारकण्डे ने क्षेत्र के तमाम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस आपदा भरे मौसम में बेजुबान पशुओं के प्रति संवेदनशील रहें और जरूरत पड़ने पर उनकी मदद के लिए आगे आएँ। ‘जनहित सर्वोपरि और जीव सेवा हमारा कर्तव्य’ के नारे को चरितार्थ करती इस पहल की चारों तरफ चर्चा है।

भरसेली में वित्तीय समावेशन संतुष्टि शिविर का आयोजन

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत भरसेली में शुक्रवार को वित्तीय साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं वित्तीय जागरूकता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना,प्रधानमंत्री

मुद्रा योजना एवं कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड स्वयं सहायता समूह ऋण सुविधा, बचत खाता, सावधि जमा, डीफ खाता एवं आवर्ती जमा,बैंकिंग लोकपाल योजना एवं शिकायत निवारण,साइबर फ्रॉड से बचाव एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई।

ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने, नियमित बचत करने, बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित उपयोग करने तथा किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी एवं ऋण संबंधी सलाह के लिए नजदीकी बैंक शाखा या बैंक मित्र से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया।

मुक्तिधाम का अभाव: त्रिपाल और पैरा के सहारे हुआ अंतिम संस्कार

विश्व केसरी

राजिम-रजकट्टी (शेखर मिश्रा)। गांव में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिजन पहले ही गहरे दुख और शोक से गुजर रहे होते हैं। ऐसे कठिन समय में यदि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के लिए भी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध न हों, तो यह व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत रजकट्टी गांव में मुक्तिधाम नहीं होने के कारण ग्रामीणों को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा। चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के प्रभाव के बीच हुई बारिश ने अंतिम संस्कार के दौरान चिता की आग बुझा दी। इसके बाद ग्रामीणों ने त्रिपाल से चिता को ढंककर और पैरा डालकर आग दोबारा सुलगाने का प्रयास किया। घंटों की



मशक्कत के बाद किसी तरह की तैयारी की गई, लेकिन इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण चिता की आग बुझने से अंतिम संस्कार में बाधा उत्पन्न हो गई। ऐसी परिस्थिति में ग्रामीणों ने त्रिपाल की मदद से चिता को बारिश से बचाने और पैरा डालकर

अब जरूरत है पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की। मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए और यदि लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

फिलहाल गायों की मौत के वास्तविक कारणों और संख्या की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। अब देखना होगा कि नगर पंचायत प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाते हैं। इस मामले में वार्ड पार्षद प्रकाश ताग्रकार ने हरिभूमि के बातचीत में बताया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए की मांग किये गए हैं। वही गायों की मौत पर संवेदना व्यक्त भी किये गए हैं। वहीं नगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह चौहान ने पत्रकारों को बताया कि खराब मौसम और बीमारी के चलते बहुत वृद्ध हो चुके गायों की मौत हुई है व्यवस्था में नगर पंचायत द्वारा कहीं कोई कमी नहीं हुई है। चारा पानी स्वास्थ्य इलाज नियमित हो रहा था अचानक से हुई मौत चिंता का विषय है। बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में और मेहनत करेंगे।

वहीं नगर पालिका अधिकारी योगेश कुमार साहू ने दूरभाष से संपर्क साधने पर 29 से 30 गायों की मृत्यु की खबर को पुष्टि की है। साथ ही जे सी बी के माध्यम से दफन किया गया है।

शहर में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार और निर्माण कार्य में देरी नेता प्रतिपक्ष संध्या राव ने पालिका प्रशासन को कटघरे में खड़े किया

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। शहर में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार और निर्माण कार्य शुरू होने में हो रही देरी को लेकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर पालिका परिषद की नेता प्रतिपक्ष संध्या राव ने एक बार फिर पालिका प्रशासन को कटघरे में खड़ा करते हुए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने और भूमिपूजन किए जाने के बाद भी कई वाडों में निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब विकास कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है, टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कुछ कार्यों का भूमिपूजन भी हो चुका है, तो फिर धरातल पर निर्माण शुरू होने का इंतजार क्यों किया जा रहा है?

संध्या राव ने वार्ड क्रमांक 4 में सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन होने के बावजूद काम शुरू नहीं होने का मुद्दा

उठाया है। इसी तरह वार्ड क्रमांक 7, वार्ड क्रमांक 2 सहित अन्य वार्डों में टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि विकास कार्यों की घोषणा और भूमिपूजन के बाद जनता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए, लेकिन यदि महीनों तक काम शुरू ही नहीं होता, तो ऐसे आयोजनों और प्रक्रियाओं का आम नागरिकों को क्या लाभ मिल रहा है?

भूमिपूजन हुआ, टेंडर भी निकला, फिर निर्माण में देरी क्यों?

नगर में निर्माण कार्यों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच नेता प्रतिपक्ष ने पालिका प्रशासन से जवाब मांगा है कि आखिर ठेकेदारों को समय पर काम शुरू करने के लिए बाध्य क्यों नहीं किया जा रहा है? निर्माण कार्यों में देरी के पीछे क्या कारण हैं और जिम्मेदारों के विरुद्ध



सीमा तय की जाए।

टेंडर निरस्त कर दूसरे ठेकेदार को काम सौंपा जाए

संध्या राव का कहना है कि सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी को सामान्य प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यदि ठेकेदार निर्धारित समय में काम शुरू नहीं करते और तय समय-सीमा में निर्माण पूरा नहीं करते, तो उनके टेंडर निरस्त किए जाएं। इसके बाद रिटेंडर की प्रक्रिया अपनाकर दूसरे ठेकेदार को काम सौंपा जाए, ताकि जनता को विकास कार्यों के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े।

अब तक क्या कार्रवाई की गई है? उन्होंने मांग की है कि संबंधित ठेकेदारों को तत्काल नोटिस जारी कर निर्माण कार्य शुरू करने के स्पष्ट निर्देश दिए जाएं तथा काम पूरा करने की समय-सीमा तय की जाए।

संध्या राव का कहना है कि सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी को सामान्य प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यदि ठेकेदार निर्धारित समय में काम शुरू नहीं करते और तय समय-सीमा में निर्माण पूरा नहीं करते, तो उनके टेंडर निरस्त किए जाएं। इसके बाद रिटेंडर की प्रक्रिया अपनाकर दूसरे ठेकेदार को काम सौंपा जाए, ताकि जनता को विकास कार्यों के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े।

सिर्फ सड़क नहीं, शहर की दूसरी समस्याओं पर भी मुख्य हैं संध्या राव

नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर संध्या राव लगातार अलग-अलग मुद्दे उठाती रही हैं। इससे पहले भी उन्होंने सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों और पशुधन से जुड़ी समस्या, शहर की सफाई व्यवस्था, आश्रय स्थल के संचालन और अन्य जनहित के विषयों पर पालिका प्रशासन से जवाब मांगा है। अब निर्माण कार्यों में देरी का मुद्दा उठाकर उन्होंने विकास कार्यों की निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर सवालों का दायरा और बढ़ा दिया है।

अवैध शराब बिक्री करने वाले आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना ‘दृष्टि हेल्पलाइन’ प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आभारार्थिक गतिविधि की जानकारी ‘दृष्टि हेल्पलाइन’ नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। ‘दृष्टि हेल्पलाइन’ के माध्यम से आपराधिक कार्यों में सलिल व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है।

और नालियों की मरम्मत सुनिश्चित करें। यदि ठेकेदार द्वारा मरम्मत नहीं कराई जाती है, तो पंचायत को नियमानुसार राशि दी जाए ताकि समय पर मरम्मत कराई जा सके। हर घर नल से जल योजना को सुव्यवस्थित संचालन के लिए ‘जल मित्र’ और ‘पम्प ऑपरेटर’ नियुक्त करने के साथ-साथ पंचायतों को जल कर के संग्रहण के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता नमित कोसरिया, सीएमएचओ डॉ. राजेश अवस्थी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं एसडीओ उपस्थित थे।

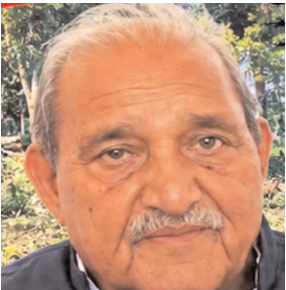
पारागांव में पेड़ कटाई मामले: एसडीएम ने गठित की टीम



विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। पारागांव स्थित हनुमान एगो में पेड़ कटाई का मामला अब प्रशासन तक पहुंच गया है। मामले में एसडीएम मीना साहू ने जांच के आदेश जारी करते हुए टीम गठित की है। जांच टीम को मामले की पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौतलबजि में एक पूर्व विधायक धनेंद्र साहू ने पारागांव में करीब 5 हजार पेड़ काटे जाने का आरोप



लगाया था। आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के पेड़ों की कटाई कर लकड़ियां बेच दी गईं। वहीं, शासकीय भूमि पर लगे पेड़ों को भी काटे जाने के आरोप सामने आए हैं। मामले में प्रशासन ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब जांच टीम की पड़ताल के बाद ही पेड़ कटाई की वास्तविक स्थिति और आरोपों की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी। क्षेत्र में इस मामले को लेकर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

संपादकीय

सिनेमा समाज को संवारे या सोच बिगाड़े



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज की सोच, संवेदनाओं, मान्यताओं और व्यवहार को प्रभावित करने वाली एक सशक्त सांस्कृतिक शक्ति है। भारत जैसे बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश में सिनेमा सामाजिक चेतना के निर्माण, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और जनमत को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परें पर दिखाई जाने वाली कहानियाँ

कभी समाज की रूढ़ियों को चुनौती देती हैं, तो कभी अनजाने में उन्हीं रूढ़ियों को मजबूत भी करती हैं। इसलिए सिनेमा का मूल्यांकन केवल उसकी लोकप्रियता या व्यावसायिक सफलता के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले उसके व्यापक प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए।

सिनेमा की सबसे बड़ी सकारात्मक भूमिका सामाजिक समस्याओं को जनचर्चा का विषय बनाना है। समाज में अनेक ऐसी समस्याएँ मौजूद रहती हैं, जिन्हें लोग व्यक्तिगत अनुभव के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उनके व्यापक सामाजिक स्वरूप को समझ नहीं पाते। फिल्में इन समस्याओं को मानवीय कहानियों के माध्यम से सामने लाकर लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। अमिर खान की फिल्म तारे जमीन पर ने बच्चों में डिस्लेक्सिया जैसी सीखने संबंधी कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसने शिक्षा व्यवस्था को यह संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चा अलग अलग क्षमता और सीखने की शैली रखता है। बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानना आवश्यक है। इसी प्रकार, पैडमैन ने मांडिक धर्म स्वच्छता जैसे विषय पर सामाजिक चुप्पी तोड़ने और जागरूकता बढ़ाने में भूमिका निभाई।

महिलाओं की गरिमा, समानता और अधिकारों के संदर्भ में भी भारतीय सिनेमा ने उल्लेखनीय हस्तक्षेप किया है। फिल्म पिक ने सहमति के प्रश्न को केंद्र में रखकर स्पष्ट किया कि किसी महिला का पहनावा, उसका सामाजिक व्यवहार अथवा किसी स्थान पर उसकी उपस्थिति उसकी सहमति का विकल्प नहीं हो सकती। इसी तरह थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और वैवाहिक संबंधों में सम्मान के महत्व पर प्रश्न उठाए। ऐसी फिल्में उन सामाजिक धारणाओं को चुनौती देती हैं, जिनमें परिवार की प्रतिष्ठा के नाम पर महिलाओं से अन्याय सहने की अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन सने का अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन सने का अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन सने का अपेक्षा की जाती है।

जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के विरुद्ध चेतना जगाने में भी सिनेमा की भूमिका महत्वपूर्ण है। अनुभव सिन्हा की आर्टिकल 15 ने जातिगत भेदभाव, सामाजिक वंचना और संस्थानगत असमानताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसने दर्शकों को यह समझने का अवसर दिया कि संवैधानिक समानता के बावजूद सामाजिक व्यवहार में भेदभाव की चुनौतियाँ बनी रह सकती हैं। जब फिल्मों में वंचित समुदायों के संघर्ष, आकांक्षाओं और अनुभवों को स्थान मिलता है, तब समाज के उन वर्गों की आवाज भी व्यापक दर्शक समुदाय तक पहुँचती है, जिन्हें प्रायः मुख्यधारा की चर्चाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।

राष्ट्रीय एकता और सामूहिक पहचान को मजबूत करने में भी सिनेमा प्रभावी माध्यम है। चक दे! इंडिया ने विविध क्षेत्रीय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाली महिला खिलाड़ियों की टीम के माध्यम से सहयोग, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। वहीं रंग दे बसंती ने युवाओं को नागरिक जिम्मेदारी, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ऐसी कहानियाँ बताती हैं कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी निभाने से भी प्रकट होता है। क्षेत्रीय सिनेमा भी इस दिशा में महत्वपूर्ण है। कांतारा ने तटीय कर्नाटक की स्थानीय परंपराओं, लोकविश्वासों और प्रकृति से जुड़े सांस्कृतिक संबंधों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुँचाया। इससे क्षेत्रीय भाषाओं और लोकसंस्कृतियों के प्रति रुचि बढ़ सकती है।

लेकिन सिनेमा का दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। मनोरंजन और व्यावसायिक सफलता की होड़ में कुछ फिल्में सामाजिक पूर्वग्रहों को चुनौती देने के बजाय उन्हें दोहराती हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदायों को तुलनाी रूप में दिखाने से दर्शकों के मन में गलत धारणाएँ मजबूत हो सकती हैं। किसी पूरे समुदाय को अपराध, हिंसा या पिछड़ेपन से जोड़कर प्रस्तुत करना सामाजिक अविश्वास बढ़ा सकता है। विशेष रूप से संवेदनशील धार्मिक और राजनीतिक विषयों पर एकतरफा चित्रण सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है। हालाँकि विवादास्पद विषयों को दिखाना अपने आप में अनुचित नहीं है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों, सामाजिक संदर्भों और मानवीय जटिलताओं की उपेक्षा गंभीर समस्या बन सकती है। हिंसा का महिमामंडन भी चिंता का विषय है। जब फिल्मों में बदला लेने, हथियारों के इस्तेमाल, कानून को अपने हाथ में लेने और आक्रामक व्यवहार को बार-बार वीरता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो कुछ दर्शकों में हिंसा के प्रति संवेदनशीलता कम होने का खोखिल पैदा हो सकता है।

कविता

‘सही वक्त् के इंतजार में’



रविकान्त राऊत

365 दिन मैं जिसके लिये खिलती रही हर रात जिसके लिये महकती रही करीब रह कर भी

निष्ठुर बना रहा वो

किसी कांटे की तरह

‘सही वक्त् के इंतजार में ‘

‘सही-वक्त् ‘..??’

कब तक कोई इंतैजार कर सकता

है भला

एक दिन तो किसी ने जुदा करना

ही था ,

मेरी अपनी शाख से मुझे

सही वक्त् के इंतैजार में वक्त्

निकल गया

और मैं निरापद सजा दी गयी

किसी और की कांटे-रहित डाल

में

किसी ‘गैर’ के गुलदान में उसका

अरमान बनाकर

जबलपुर,मध्यप्रदेश

मो.: 9425611243



गिरीश पंकज

वृक्ष धरा के श्रृंगार हैं. इनकी हरियाली आँखों को सुकून देती है. पेड़ ऑक्सीजन पैदा करते हैं, तो हम आसानी से सांस ले सकते हैं. पेड़ों में फल उगते हैं.उसे मनुष्य भी खाते हैं, तो पशु-पक्षी भी उसका स्वाद लेते हैं.पक्षियों का घर भी है पेड़. लेकिन मूख विकास के नाम पर सैकड़ों पेड़ों को काटने पर आमादा है. ऐसे मूख छत्तीसगढ़ या किसी एक राज्य में ही नहीं, ये पूरी दुनिया में फैले हुए हैं. कहीं फोरलेन, सिक्स लेन सड़क बनती है तो उसके लिए पेड़ काटे जाते हैं, फिल्म सिटी बनानी है तो सैकड़ो पेड़ों की बलि ले लो! कोई बड़ा कारखाना लगाना हो तो पेड़ों की निर्मम हत्या कर दो.और इस तरह का निर्णय दुर्भाग्यवश वे लोग लेते हैं, जो प्रतियोगी परीक्षा पास करके कलेक्टर-वलेक्टर बनते हैं. फिर ये चुने हुए प्रतिनिधियों को ज्ञान देते हैं और प्रस्ताव पारित करके पेड़ों को काटने पर तूट जाते हैं. ऐसे पेड़काटू लोग आज हैं,कल नहीं रहेंगे.लेकिन ये पढ़े-लिखे पर विवेकशून्य लोग पर्यावरण का विनाश करने के लिए याद किए जाएंगे. और दुर्भाग्य की बात यह है कि पेड़ काटना अपराध है. किंतु किसी

भी बड़े अपराधी को कोई सजा नहीं मिलती. विकास की अंधी दौड़ में मानव समाज खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने पर तुला हुआ है. मान लिया पेड़ काटना बहुत जरूरी है, तो विकल्प मौजूद है. उन पेड़ों को अन्यत्र शिफ्ट किया जा सकता है. अब ऐसी तकनीक भी आ गई है. इस काम को आंध्रप्रदेश के कृष्णपेड्डी रेड्डी कुछ वर्षों से कर रहे हैं. अभी अब तक वे सात-आठ हजार पेड़ों को इधर- से-उधर शिफ्ट कर चुके हैं. उनका अपना एक ‘वट फाउंडेशन’ है. उसके माध्यम से रेड्डी पेड़ों के संरक्षण का काम कर रहे हैं. सरकार ऐसे लोगों की मदद ले और वृक्षों को इधर-उधर शिफ्ट कर दे. शिफ्टिंग करने के बाद कुछ पेड़ जरूर नष्ट हो जाते हैं,लेकिन ज्यादातर बचे रहते हैं. और उसके साथ ही बची रहती है हरियाली.. पक्षियों के घर.. शुद्ध हवा..स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण. लेकिन पर्यावरण को लेकर पता नहीं क्यों सत्ता और प्रशासन में बैठे लोग गंभीर नहीं होते. ये लोग बातें बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन उनके निर्णय अतःतः समाज विरोधी और कभी-कभी पर्यावरण विरोधी हो जाते हैं. अब समय आ गया है कि निर्णायक भूमिका में बैठे लोग आत्म –संथन करें और सोचें कि वे आखिर क्या कर रहे हैं! जिस समाज में रहते हुए उन्हें अच्छी-खासी नौकरी मिली, उस समाज को ही नष्ट करने पर क्यों आमादा हैं? आज भी हर राज्य में हजारों एकड़ बंजर जमीन पड़ी हुई है. वहां हम बड़े-बड़े कारखाने लगा सकते हैं. छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी बनाने के लिए सैकड़ों पेड़ काटें, यह जरूरी नहीं. जहां हरे-भरे पेड़ लगे हों,वहीं हम फिल्म

कब लगेगी खबरिया चैनल पर लगाम ?

धर्मवीर अरोड़ा

खबरों के नाम पर अपने चैनल पर सारा दिन एक दल विशेष का एजेंडा चलाने वाले खबरिया चैनल अब इतने खतरनाक हो चुके हैं कि किसी के भी खिलाफ कोई झूठी खबर चलाना इनके लिए बाएँ हाथ का काम हो गया है। एक दल विशेष से मिलने वाले राजनीतिक संरक्षण के चलते अब इन चैनलों को कोई भी गलत खबर चलाने से डर नहीं लगता।

अभी 12 अक्टूबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंडिया ब्लांक के नेताओं के साथ मिलकर नई दिल्ली के बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक पैदल मार्च किया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस मार्च में शामिल कुछ लोगों के खिलाफ टिप्पणी की, मगर खबरिया चैनलों ने पूरे दिन यह भ्रामक खबर चलाई कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई, जबकि सच्चाई यह थी कि संबद्ध न्यायधीश ने अपनी टिप्पणी में राहुल गांधी के नाम का जिक्र ही नहीं किया था।

राहुल गांधी से जुड़ा खबरिया चैनलों का यह विवाद अभी थमा ही

नहीं था कि एक चैनल ने यह खबर चलाई कि प्रसिद्ध लोकगायिका नेहासिंह राठौर अपने एक हॉस्टल में सेक्स रैकेट चलाती है।

फैक्ट चेक करने पर पता चला कि दो साल पहले अक्टूबर,2024 में राजस्थान के बाड़मेर शहर में एक ऐसे हॉस्टल पर छापा मारा गया था जहां वेश्यवृत्ति चल रही थी। दो साल पुरानी उस खबर को इस चैनल ने ‘नेहासिंह राठौर से जोड़कर चलाया, जबकि नेहासिंह का उस हॉस्टल या खबर से दूर -दूर तक कोई लेनादेना ही नहीं था।

अभी पिछले साल की बात है जब एक ‘सबसे तेज’ खबरिया चैनल ने बिना खबर की पुष्टि किए,11 नवंबर को ही धर्मद की मौत की खबर चला दी जबकि सच बात तो यह थी कि उस वक्त धर्मद मुंबई के एक हस्पताल में उपचाराधीन थे।

24 नवंबर, 2025 को जब धर्मद का निधन हुआ तो किसी ने भी इस खबर पर यकीन नहीं किया। देओल परिवार द्वारा धर्मद के निधन की पुष्टि किए जाने के बाद लोगों को लगा कि धर्मद अब सचमुच हमसे रखसत हो चुके हैं।

सिटी विकसित करें या कोई बड़ा कारखाना क्यों लगाएं हमारे जैसे अनेक पर्यावरण प्रेमी कटते हुए पेड़ को देखकर पीड़ा से भर जाते हैं.कुछ लोग तो पेड़ों से भी जाकर चिपक जाते हैं, लेकिन उन्हें जबरदस्ती हटा दिया जाता है. उल्टे उन पर कड़ी कार्रवाई कर दी जाती है कि ये सरकारी काम में बाधा पैदा कर रहे थे. कैसे उलटी रीत हो गई है. यह कैसी मानसिकता है जिनका अभिन्दन करना चाहिए, हम उन्हें दंडित

चाहते हैं, तो कृष्णपेड्डी रेड्डी जैसे विशेषज्ञ से मिलकर पेड़ों को बचाने का उपक्रम करना चाहिए. वृक्षों का प्रत्यारोपण यानी ट्री-ट्रांसप्लांटेशन कोई असंभव या जादुई काम नहीं है, बल्कि यह आधुनिक विज्ञान, संवेदनशीलता और इच्छाशक्ति का साझा परिणाम है. जब दुनिया के कई देश अपनी सदियों पुरानी विरासतों और विशालकाय दरख्तों को बचाने के लिए अत्याधुनिक हाइड्रोलिक मशीनों

न मानकर एक जीवित प्राणवान अस्तित्व समझे.

प्रशासनिक स्तर पर अक्सर यह दलील दी जाती है कि ट्रांसप्लांटेशन एक खर्चीली और जटिल प्रक्रिया है. लेकिन क्या कभी उन नीति-निर्यंताओं ने यह हिसाब लगाया है कि पचास या सौ साल पुराने एक बरगद या पीपल को तैयार करने में प्रकृति को कितना वक्त और साधन खर्च करने पड़ते हैं एक परिपक्व वृक्ष प्रतिदिन जितनी ऑक्सीजन देता

नए पौधे लगाना स्वागतयोग्य है, पर पुराने और फलते-फूलते वृक्षों को उखाड़ फेंकना आत्मघाती पागलपन है.

अब समय आ गया है कि देश और राज्यों की विकास नीतियों में ‘ट्री-ट्रांसप्लांटेशन’ को अनिवार्य कानूनी शर्त बनाया जाए। किसी भी हाईवे, कारखाने, आवासीय परियोजना या फिल्म सिटी में यह स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए कि निर्माण की जद में आने वाले कितने प्रतिशत वृक्षों को अनिवार्य रूप से शिफ्ट किया जाएगा. जो ठेकेदार या विभाग पेड़ों को बिना सोचे-समझे आरी के हवाले कर दे, उसे सीधे ब्लैकलिस्ट किया जाए और उन पर भारी पर्यावरणीय जुर्माना ठोका जाए। जब तक कानून का डंडा नहीं चलेगा, तब तक फाइलों में लीपापोती चलती रहेगी.

नागरिक समाज को भी केवल मूकदर्शक बने रहने से बचना होगा. अपनी गलतियों, सड़कों और जंगलों में कुल्हाड़ी चलते देखकर चुप्पी साध लेना भी अपराध में भागीदार होना ही है. हमें सामूहिक रूप से प्रशासन से सवाल पूछना होगा कि जब पेड़ बचाने की तकनीक हमारे सामने है, तो आरी चलाने की यह बर्बर जल्दबाजी क्यों विकास का अर्थ विनाश नहीं होता. सच्चा विकास वही है जो कंक्रीट के जंगलों के बीच सांस लेने लायक हवा और प्रदिों के लिए हरियाली की छवि भी बचा कर रखे। यदि आज भी हुक्मरानों की आंखें नहीं खुलें, तो आने वाली पीढ़ियां हमें केवल इस बात के लिए एक करंगी कि हम एक नए पौधे रोप देने के कागजी वादों से किसी सौ साल पुराने दरख्त की भरपाई कभी नहीं हो सकती.

बोध कथा

आदर्श मूर्तिकार



एक आदमी एक निर्माणधीन मंदिर को देखने गया। तभी उन्होंने देखा कि एक मूर्तिकार भगवान की मूर्ति बना रहा हैं। वो उसके पास गए और उसे काम करते देखने लगे। तभी उन्होंने ध्यान दिया की पास में ही हुबहु एक और मूर्ति पड़ी हुई हैं। उन्होंने पूछा ‘क्या तुम एक जैसी दो मूर्तियाँ बना रहे हो?’ मूर्तिकार अपने काम में मग्न था। उसने बिना अपना सर उठाये ही कहा ‘नहीं’। ‘तो फिर तुम दो मूर्तियाँ क्यों बना रहे हो?’ ‘हमें एक ही मूर्ति चाहिए पर पहली मूर्ति बनाते वक्त् थोड़ी खराब हो गयी।’ वो अभी भी अपना काम कर रहा था।

उस आदमी ने मूर्ति को उठाया और जाचने लगा। पर उसे कोई भी खराबी नजर नहीं आई। ‘कहाँ से खराब हो गयी हैं ये? यह कहीं सामने लगने वाली है क्या?’ ‘नहीं ये तो मंदिर के बाहर 20 फीट ऊँचे खम्बे पर लगाने के लिए बनायीं गयी हैं।’ अगर ये मूर्ति इतनी ऊपर लगने वाली है तो भला इतनी छोटी सी गलती को कोई कैसे देख लेता। तुम तो पहले वाली मूर्ति को ही रख सकते हो। मूर्तियाँ क्यों बना रहे हो?’ ‘इस बार मूर्तिकार ने उसकी तरफ देखा और मुस्कुरा कर कहा ‘मुझे तो पता होगा,और भगवान को भी पता होगा।’

व्यंग्य केसरी

कर्ज की किस्तें गोल, बैंक का सिस्टम डांवाडोल



अजय कुमार बघाना

बैंक से कर्ज लेते समय ग्राहक

का आत्मविश्वास ऐसा चमकता है, मानने वालों में नहीं होती। संदेश, फोन और नोटिस का सिलसिला चलता रहता है। उधर कर्जदार के बहानों का खजाना कभी खाली नहीं होता। कभी कारोबार मंदा, कभी बाजार खराब, कभी भुगतान फंसा तो कभी अचानक बीमारी या शादी का खर्च! बहानों का कोई बैंक होता, तो साहब वहां से भी भारी कर्ज लेकर चैन से बैठ सकते थे।

लगता है। मैनेजर को बार-बार सर कहरक संबोधित किया जाता है, चाय-पानी का दौर चलता है और भविष्य के सुनहरे सपने दिखाए जाते हैं। मगर किस्त मांगते ही वही बैंक दुनिया का सबसे बड़ा दुश्मन नजर आने लगता है। फोन की घंटी बजते ही ग्राहक की उंगली ऐसी फुर्ती से स्क्रीन पर पहुंचती है कि कॉल उठाने के बजाय उसे खामोश करना ही बेहतर लगता है।

बैंक की वसूली टीम भी हार मानने वालों में नहीं होती। संदेश, फोन और नोटिस का सिलसिला चलता रहता है। उधर कर्जदार के बहानों का खजाना कभी खाली नहीं होता। कभी कारोबार मंदा, कभी बाजार खराब, कभी भुगतान फंसा तो कभी अचानक बीमारी या शादी का खर्च! बहानों का कोई बैंक होता, तो साहब वहां से भी भारी कर्ज लेकर चैन से बैठ सकते थे।

सबसे मजेदार स्थिति तब बनती है, जब बैंक की फाइल में बकाया रकम बढ़ती जाती है और भुगतान की उम्मीद घटती जाती है। कंयूटर हर किस्त का हिसाब रखता है, लेकिन ग्राहक के बहानों के लिए अलग कॉलम नहीं होता। लगता है, बैंकिंग सॉफ्टवेयर बनाने वालों ने कल्पना ही नहीं की थी कि किसी खते में रुपये कम और तर्क ज्यादा जमा हो सकते हैं।

इस आर्थिक नाटक का असर घर तक पहुंचता है। किस्त नहीं चुकती तो बजट बिगड़ता है, योजनाएं अटकती हैं और परिवार की चिंता बढ़ती है। साहब को उम्मीद रहती है कि अगली तारीख तक कोई चमत्कार हो जाएगा। परिवार खर्च घटाने की सलाह देता है, लेकिन चमत्कार और बचत—दोनों अपनी शर्तों पर चलते हैं।

यदि बहानेबाजी के लिए पुरस्कृत रखा जाए, तो ऐसे कर्जदार को आजीवन उपलब्धि

सम्मान मिल सकता है। उनकी विशेषता कर्ज चुकाने में नहीं, बल्कि हर बार भुगतान टालने का नया तर्क खोजने में होती है। प्रतिभा ऐसी कि बहाना प्रबंधन का प्रशिक्षण संस्थान खोल दें!

हालांकि, हंसी-मजाक से अलग कर्ज एक गंभीर जिम्मेदारी है। आर्थिक परेशानी होने पर ग्राहक को बैंक से समय रहते संवाद करना चाहिए और उपलब्ध वैधानिक विकल्प तलाशने चाहिए। बैंक की वसूली भी नियमों के दायरे में होनी चाहिए। न भुगतान टालना समाधान है, न अनुचित दबाव बनाना।

आखिर बैंक की फाइल में बहानों से नहीं, भुगतान से हिसाब पूरा होता है। किस्तें गोल करके कुछ समय तक तारीखें जरूर टाली जा सकती हैं, लेकिन कर्ज की जिम्मेदारी नहीं। क्योंकि बहानों की स्याही से कर्ज कभी नहीं उतरता।

इतिहास

31 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ (भारत)

1875: भारत के स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ। उनकी जयंती को भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1920: बंबई में अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का उद्घाटन सत्र आयोजित हुआ।

1966: भारतीय तैराक मिहिर सेन ने पनामा नहर को तैराकर पार किया।

1984: भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की नई दिल्ली में उनके ही अंगरक्षकों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। 2000: छत्तीसगढ़ भारत का 26वां राज्य बना।

तूफान से फसल क्षति का होगा सर्वे, किसानों को दिलाई जाएगी राहत और मिलेगी क्षतिपूर्ति राशि

सीएम विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर ने ली आकस्मिक बैठक

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में बारिश और तूफान से फसलों को हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कर प्रभावित किसानों को राहत दिलाने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कृषि विभाग और फसल बीमा कंपनी के अधिकारियों की अपने कक्ष में आकस्मिक बैठक लेकर युद्ध स्तर पर सर्वे पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की बारिश और तूफान से धान सहित अन्य फसलों को हुई वास्तविक क्षति का आकलन कर किसानों को नियमानुसार मुआवजा एवं फसल बीमा दावे का लाभ दिलाया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन किसानों ने फसल बीमा नहीं कराया है और उनकी फसलों को नुकसान हुआ है, उन्हें भी राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रावधानों के तहत पात्रतानुसार सहायता दी जाएगी। उन्होंने राजस्व



विभाग को ऐसे किसानों की फसल क्षति का सर्वे कर नियमानुसार सहायता के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीमा कंपनी के अधिकारियों को सर्वे टीमों की संख्या बढ़ाकर अगले कुछ दिनों में सर्वे कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल क्राॅप सर्वे (डीसीएस) का अनुभव

रखने वाले युवाओं को भी सर्वे की जिम्मेदारी सौंपने को कहा, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन शीघ्र किया जा सके। जिले में एचडीएफसी एग्री कॉंपनी के माध्यम से चालू खरीफ मौसम में लगभग 47 हजार किसानों ने फसल बीमा कराया है। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि विपत्ति की इस

घड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। कठिण परिस्थितियों में मेहनत कर अन्र्ण उपजाने वाले किसानों का मनोबल बनाए रखना जरूरी है। उनकी फसलों को हुई वास्तविक क्षति के लिए नियमानुसार राहत सहायता और बीमा दावे का लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने कृषि एवं राजस्व

विभाग तथा बीमा कंपनी के अधिकारियों को आपसी समन्वय से सर्वे कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सहायक संचालक कृषि शशांक शिंदे ने बैठक में बताया कि फसल पकने के बाद काटकर खेत अथवा खलिहान में रखी धान की फसल को पानी से नुकसान होने पर बीमित किसानों को नियमानुसार फसल बीमा का लाभ मिलेगा। ऐसे किसान नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447, व्हाट्सएप नंबर 7065514447 अथवा अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी को दे सकते हैं। शिंदे ने बताया कि अत्यधिक बारिश और तूफान से खड़ी फसल के पौधे गिरने की स्थिति में फसल कटाई प्रयोगों से प्राप्त परिणामों के आधार पर नियमानुसार सहायता निर्धारित की जाएगी। उन्होंने प्रभावित बीमित किसानों से निर्धारित समय-सीमा में नुकसान समाचार का परिवहन विभाग ने खंडन करते हुए वस्तुस्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने बताया कि उक्त

अवैध सागौन चिरान परिवहन में जब्त

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। वन परिक्षेत्र अम्बिकापुर अन्तर्गत परिक्षेत्र सहायक वृत्त अम्बिकापुर में 03 मार्च 2023 को वन कर्मचारियों के गश्ती के दौरान प्रातः 09:15 बजे आर.एफ. 2581 गाड़ाघाट मगरडोडा के पास अवैध रूप से सागौन चिरान 40 नग 0.567 घ.मी. लोड कर अवैध रूप से वगैर वैध दस्तावेज के परिवहन करते हुए महिन्द्रा पिकप वाहन (सफेद रंग) क्र. सीजी 13 वाय 2651 को वन कर्मचारियों द्वारा जर्सी कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1), धारा 41 नियम 24 काष्ठ जुलाई 2024, क्र. 7728, 22 जुलाई 2024, क्र. 7199, 18 नवम्बर 2024, क्र. 134, 14 फरवरी 2025 तथा क्र. 516, 26 मई 2025 के माध्यम से सूचना पत्र प्रेषित कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के

अम्बिकापुर में सुरक्षित रखा गया। प्रस्तुतकर्ता अधिकारी वन परिक्षेत्राधिकारी अम्बिकापुर द्वारा कार्यालयीन पत्र क्रमांक 2105 21 सितम्बर 2023 के माध्यम से जप्त वाहन को मय वनोपज शासन के पक्ष में राजसात किये जाने बावत् अनुशंसा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

जप्त वाहन के राजसात कार्यवाही की प्रक्रियों के तहत अभियोजन साक्ष्य गवाहों के बयानों का प्रतिपरीक्षण हेतु वाहन स्वामी को नियमित कार्यालयीन पत्र क्रमांक 37 12 जनवरी 2024, क्र. 442, 14 मई 2024, क्र. 7728, 22 जुलाई 2024, क्र. 7199, 18 नवम्बर 2024, क्र. 134, 14 फरवरी 2025 तथा क्र. 516, 26 मई 2025 के माध्यम से सूचना पत्र प्रेषित कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के

समक्ष उपस्थित होने बावत् लेख किया गया, जिसकी विधिवत पावती अभिस्वीकृति प्राप्त है। प्रकरण में जप्त वाहन के वाहन स्वामी उपरोक्त सूचना पत्र प्राप्त करने के उपरांत भी प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। जिसके फलस्वरूप प्रकरण में आगामी कार्यवाही बावत् सूचना पत्र इश्तहार के माध्यम से जारी किया जा रहा है, यदि उक्त जप्त वाहन में किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था का हित निहित हो, तो वाहन के स्वामित्व संबंधी समस्त वैध दस्तावेजों के साथ पत्र प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर कार्यालयीन दिवस /समय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई दावा मान्य नहीं होगी एवं उक्त जप्त वाहन को शासन के पक्ष में राजसात कर दी जाएगी।

सीएम ग्रामीण बस सेवा, संचालित बस के कंडम होने संबंधी सूचना का परिवहन विभाग ने किया खंडन

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के अंतर्गत संचालित वाहन क्रमांक छत 15, 6344 को लेकर दैनिक भास्कर समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार का परिवहन विभाग ने खंडन करते हुए वस्तुस्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने बताया कि उक्त

वाहन का नियमित रखरखाव किया जा रहा है। आवश्यक तकनीकी जांच एवं सुरक्षा मानकों के परीक्षण में वाहन संचालन योग्य पाया गया है।

बस का संचालन निर्धारित परिवहन नियमों एवं यात्रियों की सुरक्षा संबंधी मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। परिवहन विभाग

द्वारा जारी स्पष्टीकरण के अनुसार वाहन क्रमांक छत 15 A 6344 का फिटनेस प्रमाणपत्र 18 मार्च 2026 से 17 मार्च 2027 तक वैध है। इसी प्रकार प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र 27 अक्टूबर 2026 से 26 अप्रैल 2027 तथा बीमा प्रमाणपत्र 24 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2027 तक वैध है।

सूकर पालन से शुरू किया स्वरोजगार, अब 5 लाख के ऋण से शेंटरिंग व्यवसाय संचालित कर बनीं लखपति दीदी

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। महिलाएं अब केवल घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वयं का व्यवसाय संचालित कर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश कर रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम पंचायत लैलूंगा की फिली सिंह भी ऐसी ही सशक्त नारी हैं, जिन्होंने सूकर पालन से स्वरोजगार की शुरुआत की और आज शटरिंग प्लेट एवं मिक्सर मशीन का व्यवसाय संचालित कर लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बनाई है।



छोटे ऋण से शुरू हुआ सफर, आत्मविश्वास से बढ़ाए कदम
शाली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य फिली सिंह बताती हैं कि पहले परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए पूंजी का अभाव था। बिहान योजना के माध्यम से समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि महिला समूह

आजिविका गतिविधियों के लिए 50 हजार रुपये का ऋण लेकर सूकर पालन शुरू किया। मेहनत से व्यवसाय में मुनाफा हुआ और उन्होंने ऋण की पूरी राशि चुका दी। इस सफलता ने उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती दी। उन्होंने आजीविका का विस्तार करने के लिए 5 लाख रुपये का नया ऋण लिया और शटरिंग प्लेट तथा मिक्सर मशीन खरीदी।

किसानों को हुए फसल नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण कराने के निर्देश

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चक्रवात 'अरनब' के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रभावित किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें समय पर राहत मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। जिसके तहत कलेक्टर जयश्री जैन ने अरनब चक्रवात के कारण जिले में किसानों के फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण कराने के लिए जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को फसल क्षति के अनुरूप आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मापदंडों के अनुसार आवश्यक सहायता राशि प्रदान की जाए।



छ.ग. शासन की सहायक वाचन पुस्तकों के लेखन में मल्लिका रुद्रा का उल्लेखनीय योगदान

विश्व केसरी■
चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बुलंद उपस्थिति दर्ज करते हुए, अब कोयलांचल शहर चिरमिरी भी अपनी अमिट छाप दर्ज कर रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश के पाठ्यक्रम निर्धारित करने वाली संस्था छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) ने कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सहायक वाचन नामक पुस्तक श्रृंखला की पाठ्यपुस्तकें तैयार की है। इन पुस्तकों के लेखन साहित्यकार एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चिरमिरी की हिंदी शिक्षिका मल्लिका रुद्रा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह पुस्तकें पूरे छत्तीसगढ़ के सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा पढ़ी जा रही हैं। इन पुस्तकों का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास करना, उन्हें लोक संस्कृति से जोड़ना और नैतिक मूल्यों की



शिक्षा देना है। पुस्तकें सरल भाषा में लिखी गई हैं ताकि बच्चे स्वयं पढ़ सकें, समझ सकें और अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकें। पाठों में सहज भाषा और समृद्ध शब्दावली का प्रयोग हुआ है। लोक जीवन, परंपरा और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को पाठों में समाहित किया गया है। विद्यार्थियों को स्वयं पढ़ने और लिखने की आदत डालने पर बल दिया गया है। कहानियों, कविताओं और संवादों के माध्यम से नैतिक शिक्षा और संवेदनाओं का विकास होगा। मूल्यांकन के लिए खुले प्रश्न

दिए गए हैं, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सके। लेखन समूह में इनके साथ - साथ बलदास राम साहू, विजय शरण सिंह, श्याम नारायण श्रीवास्तव, पोखन लाल जायसवाल, द्रोण साहू एवं प्रिया जोशी ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। चिरमिरी शिक्षा जगत के लिये नए भूमिका तैयार कर रही मल्लिका रुद्रा के साहित्यिक अनुभव और शिक्षण कौशल ने पुस्तकों को बच्चों के लिए और अधिक रोचक एवं उपयोगी बनाया। उनकी लेखनी ने, न केवल भाषा को सहज बनाया बल्कि बच्चों के लिए सीखने को आनंददायक भी कर दिया। एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर का यह प्रयास नई शिक्षा नीति के अनुरूप है, जिसमें स्थानीय परिवेश, संस्कृति और जीवन मूल्यों को शिक्षा से जोड़ने पर बल दिया गया है। इस दिशा में रुद्रा का योगदान शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायी है।

1 लाख 34 किसानों को मिलेगी पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले के एक लाख 34 किसानों के बैंक खातों में 22 करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे अंतरित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के बनासकांठा में आयोजित वृहद किसान सम्मेलन से योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर जिले में भी 'पीएम किसान उत्सव दिवस' मनाया जाएगा।

उप संचालक कृषि एम.आर. तिग्गा ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सरकंडा, बिलासपुर में आयोजित होगा। यहां किसानों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही विकासखंड कार्यालयों, पंचायत मुख्यालयों, प्राथमिक

कृषि सहकारी समितियों, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों और मंडियों में भी किसानों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तिग्गा ने बताया कि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की सहायता राशि दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में दी जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का भूमि संबंधी विवरण अग्रिप्लेक पोर्टल में अप्रैल पर जिले में भी 'पीएम किसान उत्सव दिवस' मनाया जाएगा।

उप संचालक कृषि एम.आर. तिग्गा ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सरकंडा, बिलासपुर में आयोजित होगा। यहां किसानों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही विकासखंड कार्यालयों, पंचायत मुख्यालयों, प्राथमिक

बलरामपुर में फिटनेस और हेल्थ का नया टिकाना बना 'द फिटनेस हब जिम एंड वेलनेस'

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। नगर में स्वास्थ्य, फिटनेस और बेहतर जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को बलरामपुर में 'THE FITNESS HUB GYM & WELLNESS' का भव्य शुभारंभ उत्साह और गरिमायम वातावरण में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम वचुंअल माध्यम से जुड़े और संस्थान के शुभारंभ पर संचालकों एवं नगरवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित मंत्री रामविचार नेताम ने वचुंअल माध्यम से अपनी शुभकामनाएं देते हुए इस पहल की सराहना की। उन्होंने संस्थान की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने विधिवत फीता काटकर जिम एवं वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत बलरामपुर के उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्फूर्ति बनाए रखना बेहद जरूरी है। युवाओं में फिटनेस के प्रति बढ़ती



जागरूकता को देखते हुए इस तरह के आधुनिक जिम एवं वेलनेस सेंटर की शुरुआत नगर के लिए सकारात्मक कदम है। इससे युवाओं को नियमित व्यायाम, शारीरिक क्षमता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

स्वस्थ युवा, सशक्त समाज की दिशा में पहल
द फिटनेस हब जिम एंड वेलनेस की शुरुआत से बलरामपुर नगर में फिटनेस के प्रति नई जागरूकता आने की उम्मीद है। खासकर युवाओं को अपनी सेहत के प्रति सजग रहने, नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने सरगुजा में डीडीएचआई प्रोग्राम के जिला स्तरीय प्रशिक्षण का समापन

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से सरगुजा जिले में डीडीएचआई प्रोग्राम के तहत जिला स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 28 अक्टूबर को कलेक्टोरेट अम्बिकापुर स्थित सीजी स्वािन स्टूडियो (डीपीसी) में आयोजित प्रशिक्षण में आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञ दिनेश शर्मा एवं प्रीतम शर्मा ने जिले में डीडीएचआई प्रोग्राम के क्रियान्वयन के



लिए आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों का विश्लेषण करने, दुर्घटनास्थलों की पहचान तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों के संबंध में प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं

की प्रभावी रोकथाम के लिए दुर्घटनास्थलों का व्यवस्थित निरीक्षण एवं तथ्य आधारित विश्लेषण आवश्यक है। इसके माध्यम से सड़क की स्थिति, दुर्घटना के संभावित कारणों तथा आवश्यक सुधारों की पहचान कर दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की दिशा

में कार्य किया जा सकेगा। प्रशिक्षण में सभी सड़क निर्माण एजेंसियों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को डीडीएचआई प्रोग्राम के अंतर्गत विभागवार स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया समझाई गई। इससे दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर संबंधित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की पहचान कर दुर्घटनास्थलों में आवश्यक सुधार करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को कम करना है।

स्काउटिंग में 30 वर्षों की अनवरत सेवा को मिला सम्मान

विश्व केसरी■
मनेद्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 29 अक्टूबर 2026 को लोकभवन छत्तीसगढ़, रायपुर में आयोजित राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण एवं अलंकरण समारोह में कोरिया जिले को दोहरी गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई। स्काउटिंग के क्षेत्र में तीन दशकों से निरंतर समर्पित सेवा देने वाले राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा को दीर्घकालीन सेवा अलंकरण से सम्मानित किया गया, वहीं जिले के 20 स्काउट्स - गाइड्स को राज्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से कोरिया जिले के स्काउटिंग परिवार में हर्ष और उत्साह का



माहौल है। समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ गजेंद्र यादव ने

की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख् आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा, शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रती सिंह तथा राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना उपस्थित रहे।

सेंसेक्स 308 अंक उछलकर बंद मिडकैप और स्मॉलकैप में रही बिकवाली

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 308.49 अंक या 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,459.53 और निफ्टी 116.35 अंक या 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,053.10 पर बंद हुआ। लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 540.40 अंक या 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,301.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 347.75 अंक या 1.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,463.60 पर बंद हुआ।

बाजार को सहारा आईटी शेयरों से मिला, सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर क्रमशः 2.32 प्रतिशत और 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी फार्मा (1.55 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (1.17 प्रतिशत), निफ्टी कंजंशण (0.29 प्रतिशत) और निफ्टी इन्फ्रा (0.07



प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं, निफ्टी इंडिया डिफेंस (-2.01 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (-1.78 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (-1.46 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (-0.97 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.93 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (-0.87 प्रतिशत) की गिरावट

के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टैट, ईडिगो, इन्फोसिस, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इटरनल, टेक महिंद्रा, एचयूएल टेक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेट्रुस, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, एचयूएल और टाइटन गेनर्स थे। एसबीआई,

एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बीईएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि महंगाई को लेकर लगातार बनी चिंताओं के कारण इक्विटी बाजार दबाव में रहे, जबकि ईसीबी और बीओजे ने भी फंड की तरह ही ब्याज दरों को स्थिर रखा। वहीं, एआई वेल्युएशन को लेकर फिर से पैदा हुई चिंताएं एशियाई बाजारों तक पहुंच गई हैं। अमेरिका-ईरान तनाव की नई खबरों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में और तेजी आई, जिससे बाजार का सेंटिमेंट और कमजोर हो गया और मिड-कैप व स्मॉल-कैप शेयरों में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखने को मिली। इसके अलावा, आईटी शेयरों के सहारे लार्ज-कैप शेयरों ने कुछ हद तक मजबूती बनाए रखी, जहां वैश्विक एआई शेयरों से पैसा निकालकर चुनिंदा खरीदारी हुई। इसके अलावा, अच्छे नतीजों और डिफेंसिव डिमांड के चलते फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी रही।

भारत में तेजी से घट रही गरीबी, करीब 50 करोड़ गरीबी रेखा से बाहर आए : वर्ल्ड बैंक

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत ने गरीबी में बीते एक दशक में दुनिया की सबसे तेज गिरावट में से एक दर्ज की है और देश में 2011 से 2023 के बीच करीब 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह जानकारी वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में दी गई।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया कि 2011 से 2023 के बीच निम्न-मध्यम आय वर्ग (4.2 डॉलर प्रति दिन, 2021 पीपीपी) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गई है।

अत्यधिक गरीबी (3.00 डॉलर प्रतिदिन) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट में देश में गरीबी में गिरावट की मुख्य वजह खपत में मजबूत वृद्धि, रोजगार में बढ़ोतरी (विशेषकर महिलाओं के बीच),



और खाद्य सस्सिडी सहित सामाजिक हस्तांतरणों के विस्तार को बताया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में कमी आने का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, हालांकि इसकी गति थोड़ी धीमी रहेगी। 4.20 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा पर के नीचे रहने वाले लोगों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 2026 में 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, जैसे-जैसे गरीबी कम हुई, यह उन परिवारों के बीच अधिक केंद्रित होती गई, जिनका शिक्षा का स्तर कम था, जिनके पास संपत्ति कम थी, जिन्हें स्थिर रोजगार के अवसर कम मिले थे और जिन पर आश्रितों का बोझ अधिक था। हालांकि, वेतन में असमानता अभी भी काफी अधिक है। 2023 में, सबसे अधिक कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की मीडियन कमाई, सबसे कम

कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की तुलना में लगभग 13 गुना थी। इसके अतिरिक्त, हाल के समय में, 2017 से 2023 के बीच, रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई। यह कामकाजी उम्र की आबादी में हुई वृद्धि का लगभग दोगुना है। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के वेतन वाले काम में आने से आया है, जिससे प्रति परिवार कमाने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है।

भारत को वित्त वर्ष 35 तक करीब 1.5 अरब स्ववायर फीट प्राइवेट एजुकेशन इन्फ्रा की होगी आवश्यकता: रिपोर्ट

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत को वित्त वर्ष 35 तक करीब 1.5 अरब स्ववायर फीट अतिरिक्त प्राइवेट एजुकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी। इससे देश में रियल एस्टेट डेवलपर्स और संस्थागत निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सीबीआईआई साउथ एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह मांग भारत की बड़ी युवा आबादी, स्कूलों/कॉलेजों में दाखिले की बढ़ती संख्या, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बढ़ती मांग के कारण पैदा हो रही है। इसमें से लगभग 0.9 बिलियन वर्ग फुट की अतिरिक्त मांग निजी के-12 स्कूलों से आएगी, जबकि निजी (बिना सरकारी सहायता वाले) उच्च शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी



लगभग 0.4 बिलियन वर्ग फुट होगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संस्थागत निवेशक, विशेष रूप से समृद्ध शहरी बाजारों में, बड़े स्तर पर विस्तार करने वाले प्रीमियम के-12 प्लेटफॉर्मस में रुचि दिखा रहे हैं। बयान में कहा गया, 'निवेशक 'स्ट्रक्चर्ड ऑपरेटिंग कंपनी-प्रॉपर्टी कंपनी' मॉडल पर भी विचार कर रहे हैं, जो रियल एस्टेट के स्वामित्व को शैक्षणिक कार्यों से अलग करता है। इस तरह की व्यवस्था डेवलपर्स और प्रॉपर्टी मालिकों को लीज या रेवेन्यू-शेयरिंग के जरिए कमाई के

अवसर दे सकती है, और साथ ही शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विस्तार में भी मदद कर सकती है।' सीबीआईआई में भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'जैसे-जैसे निजी शिक्षा प्रदाता अलग-अलग बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं, वैसे-वैसे स्केलेबल बुनियादी ढांचा और ऑपरेटिंग मॉडल लंबी अवधि की वृद्धि में मददगार साबित हो सकते हैं। इस मांग को पूरा करने में डेवलपर्स और स्थापित शिक्षा संचालकों के

बीच की साझेदारी एक अहम भूमिका निभा सकती है।' भारत में शिक्षा के बुनियादी ढांचे का दायरा भौगोलिक रूप से भी फैल रहा है। बड़े महानगरों में पहले से ही संगठित निजी स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थान मौजूद हैं, जबकि अब कुछ टियर-टू शहर भी निवेशकों का ध्यान खींच रहे हैं, क्योंकि शैक्षणिक संस्थान शिक्षा बाजारों में अपने विस्तार की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

सीबीआईआई में भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका के कंसल्टिंग एंड वेल्युएशन सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर, रामी कौशल ने कहा, 'स्थापित शिक्षा केंद्र और बड़ी छात्र आबादी वाले उद्योगों के निवेशक के अच्छे अवसर देते हैं। लेकिन किसी प्रोजेक्ट की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उसकी लोकेशन कैसी है, बुनियादी ढांचा कितना उपयुक्त है।

दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतें धड़म, गोल्ड 0.59 प्रतिशत टूटा तो सिल्वर 3,700 रुपए गिरी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला। अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक रहने, फेडरल रिजर्व के दिसंबर में ब्याज दर बढ़ाने की संभावनाओं और ऊंची बॉन्ड यील्ड के चलते एमसीएसएस पर गोल्ड और सिल्वर में 3,000 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई। इसका फायदा फिलहाल धनतेरस और दिवाली से पहले खरीदारी की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं को मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में सोना करीब 0.28 प्रतिशत गिरकर 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 1.20 प्रतिशत टूटकर 51.750 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी कार पीसीई महंगाई सितंबर में 0.3 प्रतिशत बढ़ी, जबकि वार्षिक दर 3.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके साथ ही तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की 3.4 प्रतिशत वृद्धि ने यह संकेत दिया है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकता है। बाजार अब दिसंबर में फेड की ओर से दर बढ़ोतरी की संभावना 80 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है।

वहीं, वैश्विक कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना



गिरकर 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.86 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,42,596 से 800 रुपए से ज्यादा या 0.59 प्रतिशत टूटकर 1,41,753 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह अपने पिछले बंद भाव 1,89,453 रुपए से 3,730 रुपए या 1.96 प्रतिशत गिरकर 1,85,723 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर आ गया।

तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक सोना फिलहाल 1.40 लाख रुपए से 1.41 लाख रुपए के महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन के करीब है। यदि यह स्तर टूटता है तो कीमतें 1.37 लाख रुपए से 1.38 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक फिसल सकती हैं। वहीं चांदी के लिए 1.83 लाख रुपए से 1.85 लाख रुपए प्रति किलोग्राम अगला प्रमुख सपोर्ट माना जा रहा है।

लगातार गिरावट के बाद चांदी अब अपने लाइफ टाइम हाई लेवल

से आधे से भी कम भाव पर आ गई है। बता दें कि इस वर्ष जनवरी के आखिरी सप्ताह में सिल्वर ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4 लाख रुपए का ऐतिहासिक स्तर पार किया था और 4,20,048 रुपए का हाई लेवल टच किया था, लेकिन इसके बाद इसमें लगातार गिरावट आई, और अब चांदी अपने उच्चतम स्तर से आधे से भी कम कीमत पर मिल रही है। यही वजह है कि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों और त्योहारी खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के लिए मौजूदा स्तर आकर्षक हो सकते हैं। हालांकि अल्पकाल में फेडरल रिजर्व की नीति, डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करेंगी।

इस बीच कच्चे तेल की कीमतें भी चर्चा में हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान से जुड़े घटनाक्रम और आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ऊंचे तेल दाम महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। यही कारण है कि निवेशक सोने-चांदी में फिलहाल सतर्क बने हुए हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में संभावित डेटा लीक की जांच शुरू, हैकर समूह के दावे के बाद बढ़ी चिंता

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह एक संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है, जो कथित तौर पर सेल्सफोर्स द्वारा होस्ट और प्रबंधित एक सास यानी सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (एसएएसएस) प्लेटफॉर्म से जुड़ा है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब एक हैकर समूह ने बैंक की प्रणालियों में संध लगाकर संवेदनशील ग्राहक जानकारी हासिल करने का दावा किया है।

बैंक ने एक बयान में कहा कि वह ऐसे संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है, जो उसके वाहन ऋण (व्हीकल लोन) ग्राहकों से



संबंधित सीमित डेटा रखने वाले सेल्सफोर्स-आधारित प्लेटफॉर्म से जुड़ा हो सकता है। हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि उसकी मुख्य बैंकिंग प्रणालियां इस घटना से प्रभावित नहीं हुई हैं और सभी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। बैंक के अनुसार, 'एयू

स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है, जो सेल्सफोर्स द्वारा प्रबंधित और होस्ट किए गए सास प्लेटफॉर्म से संबंधित है। यह प्लेटफॉर्म केवल वाहन ऋण ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी रखता है। बैंक की अपनी प्रणालियां सुरक्षित हैं और सभी

बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।' यह मामला उस समय सामने आया जब रिपोर्टों में दावा किया गया कि हैकर समूह स्कालैट ग्रुप ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कथित सेंधमारी की जिम्मेदारी ली है। हैकर समूह ने दावा किया है कि उसे ग्राहकों और बैंक के आंतरिक कॉर्पोरेट डेटा तक पहुंच मिली है। रिपोर्टों के अनुसार, कथित रूप से लीक डेटा में केवाईसी रिकॉर्ड, व्यक्तिगत पहचान दस्तावेज, पैन और आधार विवरण, क्रेडिट रिपोर्ट, बैंक स्टेटमेंट, ऋण आवेदन पत्र, हस्ताक्षरित समझौते, बीमा रिकॉर्ड, सीआरएम डेटा, कर्मचारियों की जानकारी, लॉगिन हिस्ट्री और ऑडिट लॉग जैसी संवेदनशील सूचनाएं शामिल हो सकती हैं।

भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग एयरोस्पेस रिसर्च और इनोवेशन में बढ़ाएंगे सहयोग

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और एयरोस्पेस, अनुसंधान, नवाचार और उच्च शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने पर सहमत हुए हैं। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में दी गई।

मंत्रालय के अनुसार, भारत-बेल्जियम-लक्जमबर्ग आर्थिक संघ (बीएलईयू) के संयुक्त आर्थिक आयोग (जेईसी) का 19वां सत्र लक्जमबर्ग में आयोजित किया गया। इस बैठक में भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग के बीच द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की गई।

जेईसी की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल, बेल्जियम के संघीय विदेश मामले, विदेश व्यापार एवं विकास



सहयोग मंत्रालय में भू-अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक कूटनीति के महानिदेशक फिलिप वेंडेन बुल्के और लक्जमबर्ग के विदेश एवं यूरोपीय मामलों, रक्षा, विकास सहयोग एवं विदेश व्यापार मंत्रालय के महासचिव हेनरी शुमाकर ने की।

बैठक में कई प्रमुख क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा हुई। इनमें लॉजिस्टिक्स, विशेष रूप से हवाई संपर्क और बंदरगाह, नवीकरणीय ऊर्जा एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं और फिनटेक, डिजिटल बदलाव एवं सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), स्वास्थ्य

सेवा एवं जीवन विज्ञान, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा और कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग शामिल रहे।

बैठक में एयरोस्पेस, अनुसंधान एवं नवाचार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने का निर्णय लिया गया। व्यापार संबंधी चिंताओं को दूर करने, बाजार तक पहुंच आसान बनाने और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों की पहचान करने के उद्देश्य से बाजार से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

जेईसी की बैठक में तीनों देशों को अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं पर विचारों का आदान-प्रदान करने, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करने और कारोबारी भागीदारी एवं निवेश साझेदारी बढ़ाने के रास्ते तलाशने का अवसर मिला। चर्चा में भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर संवाद और सहयोग के महत्व को दोहराया गया।

जेईसी सत्र के बाद राजेश अग्रवाल ने लक्जमबर्ग स्थित कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ बातचीत की। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और निवेश क्षमता को रेखांकित किया। साथ ही वित्तीय सेवाओं, उन्नत विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया।

ठंड में दिखना है स्लिम? ऐसे करें लेयरिंग, मोटी नहीं, स्टाइलिश दिखेंगी आप



सर्दियों में लेयरिंग करना किसी चुनौती से कम नहीं, खासकर प्लस साइज महिलाओं के लिए. भारी कपड़े पहनने से अक्सर लुक और ज्यादा भारी लगने लगता है. अगर आप भी ठंड से बचना चाहती हैं और स्लिम दिखना चाहती हैं, तो लेयरिंग करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखें. इन स्मार्ट और सही स्टाइलिंग टिप्स अपनाकर आप ठंड में भी गॉर्जियस और फैशनेबल दिख सकती हैं.

सर्दियों का मौसम आते ही वाइरोब में स्वेटर, जैकेट और कोट

निकल आते हैं. ठंड से बचने के लिए लेयरिंग टेक्नीक की लोग काफी शिफारिश करते हैं, लेकिन प्लस साइज महिलाओं के सामने सबसे बड़ी उलझन यह होती है कि कहीं ज्यादा कपड़े पहनने से वे और अधिक भारी या मोटी न दिखने लगें. अगर आपके मन में भी यही डर रहता है, तो अब परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं. कुछ आसान और स्मार्ट फैशन ट्रिक्स अपनाकर आप ठंड में भी एकदम स्लिम, स्टाइलिश और गॉर्जियस रहन आ सकती हैं. आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही काम के फैशन

टिप्स, जो विंटर लेयरिंग को बनाएंगे एकदम आसान और स्टाइलिश: विंटर में लेयरिंग करते वक्त रखें इन बातों का ख्याल- फैब्रिक का चुनाव सोच-समझकर करें- लेयरिंग करते वक्त सबसे जरूरी है कपड़ों का फैब्रिक. बहुत ज्यादा मोटे, फूला हुआ या भारी ऊनी कपड़े आपके लुक को ब्रॉड बना सकते हैं. इसकी बजाय लाइटवेट लेकिन गर्म फैब्रिक्स चुनें, जैसे- थर्मल इनर, फाइन मैरिनो वूल, कश्मीरी वूल या मखमली टच वाले कपड़े. ये गर्माहट

तो पूरा देते हैं, लेकिन शरीर पर भारी नहीं लगते.

ओवरसाइज्ड की जगह 'फिटेड इनर' चुनें

अक्सर लोग ठंड से बचने के लिए अंदर से लेकर बाहर तक ढीले-ढाले कपड़े पहन लेते हैं, जिससे फिगर छिप जाता है और शरीर चौड़ा दिखने लगता है. इसके लिए नियम बनाएं कि आपका बेस लेयर (सबसे अंदर का कपड़ा) हमेशा फिटेड होना चाहिए. आप बॉडी-हिगिंग टर्टलनेक स्वेटर या स्लिम-फिट थर्मल पहन सकती हैं. इसके ऊपर खुला हुआ ओपन कोट या जैकेट बहुत कमाल का लुक देता है.

मोनोक्रोम (Monochrome) लुक अपनाएं

स्लिम दिखने का सबसे अच्छा नुस्खा है मोनोक्रोम स्टाइलिंग यानी सिर से पांव तक एक ही रंग या एक ही शेड के कपड़े पहनना. अगर आप ऊपर से नीचे तक ब्लैक, डार्क नेवी ब्लू, मरून या डार्क ग्रे रंग के कपड़े पहनती हैं, तो यह आपकी बॉडी को एक लंबा और स्लिम वर्टिकल इल्यूजन देता है. इससे लेयरिंग होने के बावजूद आपका आउटफिट भारी नहीं लगता.

वर्टिकल लाइन्स और लॉन्ग जैकेट्स करेगा मैजिक

विंटर में शॉर्ट कोट या जैकेट पहनने की बजाय घुटने तक आने वाले लॉन्ग ट्रेंच कोट, कार्डिगन या ओवरकोट ट्राई करें. लंबी जैकेट्स आपके पूरे फ्रेम को एक शेष देती हैं और लंबाई का आभास कराती हैं, जिससे आप नेचुरली पतली दिखती हैं. इसके अलावा, वर्टिकल स्ट्राइप्स वाले विंटर वियर भी आपके लुक को लंबा और स्लिम दिखाने में मदद करते हैं.

बेल्ट के साथ करें स्टाइल

अगर आप ओवरकोट या लॉन्ग कार्डिगन पहन रही हैं, तो उसके ऊपर एक स्टाइलिश बेल्ट लगाना न भूलें. कमर पर बेल्ट लगाने से आपके शरीर का शेष (Waistline) उभर कर सामने आता है, जिससे लुज कपड़ों में भी बॉडी भरी या चौड़ी नहीं लगती. यह आपके पूरे विंटर आउटफिट को एक सेकंड में क्लासी और फैशनेबल बना देता है.

भारी स्कार्फ या शॉल का सही इस्तेमाल

ठंड में गर्दन के आसपास भारी-भरकम मफ़लर लपेटने से चेहरा और गला भरा हुआ लग सकता है. इसकी बजाय गले में एक स्टाइलिश पर्शमीना शॉल या लाइटवेट स्कार्फ को वर्टिकल तरीके से आगे की तरफ लटकाएं।

खेतों में उगने वाली इस घास में छिपे हैं औषधीय गुण, जानिए फाइदे



खेतों, बगीचों और घरों के आसपास उगने वाली दुर्वा घास को अक्सर लोग सामान्य घास समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. लेकिन आयुर्वेद में इसे औषधीय गुणों वाली वनस्पति माना गया है. इसकी ठंडी तासीर और कसैले स्वाद के कारण त्वचा से लेकर पेट और मूत्र संबंधी समस्याओं में इसके पारंपरिक इस्तेमाल बताए गए हैं. आइए जानते हैं आयुर्वेदिक चिकित्सक से दुर्वा के फायदे और इसके उपयोग के बारे में.

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. ऋचा श्रीवास्तव के अनुसार, दुर्वा का स्वाद कषाय यानी कसैला और मधुर माना जाता है. इसकी तासीर शीतल यानी ठंडी होती है. आयुर्वेदिक दृष्टि से इसे शरीर में पित्त और कफ दोष को शांत करने वाली वनस्पति माना जाता है. इसी

वजह से इसका इस्तेमाल अलग-अलग पारंपरिक आयुर्वेदिक प्रयोगों में किया जाता रहा है.

दुर्वा के पेस्ट या रस को त्वचा पर लगाने की परंपरा रही है. आयुर्वेदिक चिकित्सक के मुताबिक, इसका इस्तेमाल जलन

और खुजली जैसी परेशानियों में किया जाता है. कुछ पारंपरिक प्रयोगों में दुर्वा को हल्दी के साथ मिलाकर भी त्वचा पर लगाया जाता है. एक्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में भी इसका पारंपरिक उपयोग बताया गया है.

खानपान में गड़बड़ी और अनियमित दिनचर्या के कारण लोगों को गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है. आयुर्वेद में दुर्वा के रस का पारंपरिक रूप से सेवन किया जाता है. इसे पाचन तंत्र और एसिडिटी से जुड़ी परेशानियों में लाभकारी माना जाता है.

खानपान में गड़बड़ी और अनियमित दिनचर्या के कारण लोगों को गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है. आयुर्वेद में दुर्वा के रस का पारंपरिक रूप से सेवन किया जाता है।



कसावा से बनाएं ऐसी मिठाई, गुड़-नारियल का स्वाद बच्चों को भी बना देगा दीवाना



हैदराबाद में कसावा (टैपिओका) से बनने वाली पारंपरिक मिठाई इन दिनों स्वाद का अनोखा विकल्प है. गुड़, ताजे नारियल और इलायची से तैयार इस मिठाई को केले के पत्ते में लपेटकर भाप में पकाया जाता है. बिना ज्यादा तेल और आर्टिफिशियल रंग के बनने वाली यह स्वादिष्ट मिठाई बच्चों के लिए भी खास है.

कदमूल और पारंपरिक सामग्रियों से बने पकवान हमेशा से हमारी खान-पान संस्कृति की पहचान रहे हैं. आम तौर पर सब्जी या उबालकर खाए जाने वाले कसावा का इस्तेमाल एक स्वादिष्ट और पोष्टिक मिठाई तैयार करने में भी किया जा सकता है. गुड़, नारियल और केले के पत्ते के प्राकृतिक स्वाद से तैयार यह भाप वाली मिठाई न केवल बच्चों को पसंद आती है बल्कि सेहत के लिहाज से भी एक बेहतरीन विकल्प साबित होती है.

कसावा, जिसे दक्षिण भारत में कई जगहों पर कर्रा पेंडलम या टैपिओका भी कहा जाता है आमतौर पर नाश्ते में या उबालकर खाया जाता है. कई लोग और खासकर बच्चे इसके साधारण स्वाद की वजह से इसे खाना पसंद नहीं करते. हालांकि, पारंपरिक रसोई तकनीकों और कुछ आसान सामग्रियों की मदद से इसे एक लाजवाब मीठे व्यंजन में बदला जा सकता है. भाप में पकने की वजह से इसमें तेल का इस्तेमाल बिल्कुल न के बराबर होता है जिससे यह हल्का और सुपाच्य रहता है.

मिर्ची से हो रही है जीम और गले में जलन, जानिए इसे कम करने के असरदार तरीके, झटपट मिलेगा आराम



खाने में मिर्च ज्यादा होने पर मुंह में तेज जलन होती है. पानी पीने के बजाय ठंडा दूध, दही, शहद, चीनी, गुड़ या ब्रेड खाने से जलन कम करने में मदद मिलती है. इन तरीकों से आप मिर्च की जलन में तुरंत आराम पा सकते हैं.

रोज के खाने या किसी खास दिन के खाने में कभी मिर्च ज्यादा हो जाए तो मुंह, जीभ और गले में तेज जलन होने लगती है. ऐसे समय में ज्यादातर लोग पानी पी लेते हैं, लेकिन कई बार इससे भी राहत मिलने के बजाय मिर्ची और ज्यादा फैलती हुई महसूस होती है.

दरअसल, मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन नामक तत्व जलन पैदा करता है, जिसे सही खाद्य पदार्थों की मदद से कम किया जा सकता है.आइए जानते हैं इसे कम करने के कुछ खास तरीके.

ठंडा दूध पिएं

तीखी मिर्च की जलन कम करने के लिए ठंडा दूध सबसे प्रभावी उपायों में से एक माना जाता है. दूध में मौजूद प्रोटीन कैप्साइसिन को निष्क्रिय करने में मदद करता है, जिससे मुंह की जलन कम होने लगती है. अगर दूध उपलब्ध न हो तो दही, छाछ या लस्सी का भी

सेवन किया जा सकता है.

दही का सेवन करें

दही का ठंडा और मलाईदार स्वरूप मुंह को तुरंत ठंडक पहुंचाता है. तीखा खाने के बाद एक-दो चम्मच दही खाने से काफी राहत मिल सकती है. यही कारण है कि कई तीखे व्यंजनों के साथ रायता परोसा जाता है.

शहद में प्राकृतिक गुण होते हैं जो जलन को शांत करने में मदद कर सकते हैं. यदि मिर्च बहुत ज्यादा लग रही हो तो एक चम्मच शहद धीरे-धीरे मुंह में रखें और निगल लें. इससे गले और जीभ को आराम

मिल सकता है.

चीनी या गुड़ लें

चीनी या गुड़ मुंह में रखने से भी तीखेपन की भावना कुछ हद तक कम हो सकती है. इन्हें धीरे-धीरे चूसने से कैप्साइसिन का असर कम महसूस होता है.

ब्रेड या रोटी खाएं

सूखी ब्रेड, रोटी या चावल जैसे कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थ मिर्च के तत्वों को सोखने में मदद करते हैं. इससे मुंह में होने वाली जलन कम हो सकती है.

आइसक्रीम भी है अच्छा विकल्प

ठंडी आइसक्रीम या कुल्फी खाने से मुंह को ठंडक मिलती है और कुछ समय के लिए जलन कम महसूस होती है. दूध आधारित आइसक्रीम ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है.

पानी पर ज्यादा निर्भर न रहें

बहुत से लोग लगातार पानी पीते रहते हैं, लेकिन मिर्च का तीखापन पैदा करने वाला तत्व पानी में अच्छी तरह नहीं घुलता. इसलिए केवल पानी पीने से अपेक्षित राहत नहीं मिलती.

गर्म चाय या कॉफी न पिएं.

गर्म पानी से परहेज करें.

तुरंत बाद और अधिक

मसालेदार भोजन न खाएं.

शराब या कार्बोनेटेड ड्रिंक लेने से भी जलन बढ़ सकती है।

हरी मिर्च, लहसुन और नींबू का तड़का, सिलबट्टे पर ऐसे बनाएं स्वाद से भरपूर धनिया की चटनी



सर्दियों में खाने की थाली में अगर चटपटी हरी चटनी मिल जाए, तो साधारण खाना भी बेहद स्वादिष्ट लगने लगता है. धनिया और हरी मिर्च से बनी यह चटनी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि इसे बनाने के लिए आपको बाजार से कोई खास सामग्री लाने की भी जरूरत नहीं है. घर में मौजूद हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन और कुछ मसालों से मिनटों में ऐसी चटनी तैयार कर सकते हैं, जिसे रोटी, परांठे, दाल-चावल, पकौड़े और पूरी के साथ खा सकते हैं. जानिए गुहणी ममता तिवारी से हरी धनिया और मिर्च की चटपटी चटनी बनाने का आसान तरीका.

सर्दियों के मौसम में खाने के साथ चटपटी चटनी मिल जाए, तो खाने का स्वाद और भी बढ़ जाता है. हरी धनिया और हरी मिर्च की चटनी ऐसी ही एक स्वादिष्ट चटनी है, जिसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है. इसे रोटी, परांठे, दाल-चावल, पूरी और पकौड़ों के साथ खा सकते हैं. खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता और घर में मौजूद कुछ सामान्य चीजों से ही यह तैयार हो जाती है.

अगर आप भी घर पर कुछ ही मिनटों में चटपटी हरी चटनी बनाना चाहते हैं, तो गुहणी ममता तिवारी ने लोकल 18 को इसकी आसान रेसिपी बताई है. आइए जानते हैं इसे बनाने के लिए कौन-कौन सी सामग्री चाहिए और इसकी विधि क्या है.

हरी धनिया की चटनी बनाने के लिए सामग्री

हरी धनिया की चटनी बनाने के लिए एक कटोरी ताजा हरा धनिया, 2 से 3 हरी मिर्च, लहसुन की 2 से 3 कलियां, आधा नींबू, थोड़ा सा साबुत धनिया और स्वादानुसार नमक लें।

नागौर के ये धार्मिक धाम क्यों हैं इतने खास? हर मंदिर से जुड़ी है अनोखी मान्यता और आस्था की कहानी

नागौर जिला अपनी समृद्ध धार्मिक विरासत और प्राचीन आस्था स्थलों के लिए जाना जाता है. यहां स्थित प्रमुख मंदिरों और धार्मिक धामों में सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है. इन स्थानों से जुड़ी मान्यताएं, परंपराएं और ऐतिहासिक महत्व लोगों को आकर्षित करते हैं. नागौर के फेमस धार्मिक स्थलों के दर्शन न केवल आस्था का अनुभव कराते हैं.

नागौर जिले के खरनाल गांव में स्थित वीर तेजाजी महाराज का मंदिर राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शामिल है. लोकदेवता वीर तेजाजी का जन्म खरनाल में हुआ था. उन्हें गायों की रक्षा और लोककल्याण के लिए विशेष रूप से पूजा जाता है. यहां राजस्थान सहित अन्य राज्यों से श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं. तेजा दशमी के अवसर पर मंदिर में विशाल मेला भरता है. इस दौरान हजारों श्रद्धालु पहुंचकर लोकदेवता के दर्शन करते हैं.

नागौर किले के आसपास स्थित एक आख वाले हनुमानजी का मंदिर



अपनी अनूठी धार्मिक मान्यता के लिए प्रसिद्ध है. मंदिर में विराजमान हनुमानजी की प्रतिमा अन्य मंदिरों से अलग दिखाई देती है. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का संबंध वीर शिरोमणि अमर सिंह

राठौड़ के समय से जुड़ा हुआ है. यहां दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं. मंगलवार और शनिवार को भक्तों की विशेष भीड़ रहती है. धार्मिक आस्था के साथ यह स्थल नागौर के इतिहास में भी

अपनी पहचान रखता हैं.

नागौर जिले के गोठ मांगलोद गांव में स्थित दधिमती माता मंदिर राजस्थान के प्राचीन शक्तिपीठों में शामिल है. यह मंदिर करीब 2000 साल पुराना माना जाता है. मंदिर की

स्थापत्य कला और प्राचीन शिल्पकला पर्यटकों को आकर्षित करती है. दाधीच ब्राह्मण समाज की कुलदेवी दधिमती माता के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं. नवरात्र के दौरान यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं. मंदिर परिसर में प्राचीन इतिहास और धार्मिक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है.

नागौर का जैन कांच मंदिर अपनी अनूठी सजावट और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है. मंदिर में कांच की आकर्षक कलाकारी और सुंदर नक्काशी देखने को मिलती है. जैन धर्म के श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं. मंदिर की कलात्मक बनावट इसे अन्य धार्मिक स्थलों से अलग पहचान देती है. नागौर आने वाले पर्यटक यहां धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्राचीन स्थापत्य और कलाकारी को भी करीब से देख सकते हैं.

मेड़ता सिटी स्थित मीरा बाई मंदिर धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से

महत्वपूर्ण स्थल है. यह मंदिर कृष्ण भक्त मीराबाई की भक्ति और जीवन से जुड़ा हुआ है. मीराबाई ने अपना जीवन भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में समर्पित कर दिया था. यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु भगवान चारभुजानाथ के दर्शन के साथ मीरा बाई की भक्ति परंपरा को करीब से

महसूस करते हैं. जन्माष्टमी और अन्य धार्मिक अवसरों पर यहां विशेष आयोजन होते हैं. कृष्ण भक्तों के लिए यह स्थल विशेष महत्व रखता है.

राजस्थान के नागौर जिले में हनुमान जी का एक अनोखा मंदिर मौजूद है. इस मंदिर में नाचते हुए

हनुमान जी की पूजा की जाती है. खास बात यह है कि हनुमान जी की मूर्ति के मूंछ भी हैं. इस मंदिर को भक्तों के लिए यह स्थल विशेष मान्यताएं भी हैं. बताया जाता है कि बालाजी महाराज को नारियल चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी हो जाती है।



‘अब हमारा परिवार पूरा है’ शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने तीसरे बच्चे की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

करीना के सवाल पर मीरा ने
कहा- हमारा परिवार पूरा हो चुका है

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने परिवार बढ़ाने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। मीरा ने कहा है कि वह और शाहिद अब तीसरा बच्चा नहीं चाहते और उनका परिवार पूरा है।

हाल ही में मीरा करीना कपूर खान के चैट शो ‘क्वार्ट वीमेन वॉन्ट’ में पहुंचीं, जहां दोनों ने शादी, रिश्तों, परिवार और अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी चर्चाओं पर खुलकर बात की। शो के आने वाले एपिसोड के प्रोमो में मीरा और करीना के बीच हुई मजेदार बातचीत की झलक देखने को मिली।

करीना ने पूछा- कौन-सी अजीब अफवाह सुनी है?

प्रोमो में करीना ने मीरा से पूछा कि उन्होंने अपने बारे में अब तक की सबसे अजीब अफवाह कौन-सी सुनी है? इस पर मीरा ने बताया कि उनके और शाहिद के तीसरे बच्चे को लेकर अक्सर अटकलें लगाई जाती हैं।

मीरा का जवाब सुनकर करीना ने मजाकिया अंदाज में कहा, ‘हो भी सकता है!’ इस पर मीरा ने तुरंत जवाब दिया, ‘बिल्कुल नहीं, हमारा परिवार पूरा हो चुका है।’



“बिल्कुल नहीं,
हमारा परिवार पूरा हो चुका है।
— मीरा राजपूत

मीरा ने करीना को कहा धन्यवाद

इससे पहले करीना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शो के सेट से मीरा के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी और उन्हें एक प्यारी इंसान बताया था। मीरा ने करीना की पोस्ट को रीशेयर करते हुए उन्हें शो में बुलाने के लिए धन्यवाद दिया।

पहले भी था रिश्ते में असर

मीरा और करीना की इस मुलाकात ने इसलिए भी लोगों का ध्यान खींचा है, क्योंकि करीना कपूर और शाहिद कपूर एक समय रिलेशनशिप में थे। दोनों की गिनती बॉलीवुड के चर्चित कपल्स में होती थी। करीना और शाहिद की मुलाकात साल 2004 में फिल्म ‘फिदा’ की शूटिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने ‘चुप चुप के’, ‘36 चाइना टाउन’ और ‘जब वी मेट’ जैसी फिल्मों में साथ काम किया।

हालांकि, साल 2007 में फिल्म ‘जब वी मेट’ की शूटिंग के दौरान दोनों का रिश्ता खत्म हो गया।

रवि दुबे ने पत्नी सरगुन की जमकर की तारीफ,
बोले- ‘उनमें ऐसी खूबियां हैं, जो मुझमें नहीं’



विश्व केसरी ■ मुंबई। एक्टर रवि दुबे अपनी पत्नी और एक्ट्रेस सरगुन मेहता की खूबियों के कायल हैं। हाल ही में क्विज रियलिटी शो ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में पहुंचे रवि ने सरगुन की तारीफ करते हुए कहा कि वह अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा सम्मान अपनी पत्नी का करते हैं। वह खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि सरगुन उनकी जिंदगी में जीवनसाथी के तौर पर आईं। शो के दौरान रवि ने सरगुन के बारे में बात करते हुए कहा, ‘मेरे ख्याल से मैं अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा इज्जत सरगुन की करता हूँ। मैं उनका सम्मान इसलिए भी करता हूँ, क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में उनके जैसा दूसरा इंसान नहीं देखा। वह एक कमाल की बेटी हैं, बेहतरीन बहन हैं और बहुत वफादार दोस्त हैं। वह एक शानदार पत्नी होने के साथ-साथ बेहतरीन बिजनेसवुमन भी हैं। उनके पास हमेशा कुछ अलग और नए आइडिया होते हैं। सबसे खास बात यह है कि उनके पास उन आइडिया को शुरूआत से लेकर आखिरी मुकाम तक पहुंचाने की क्षमता भी है।’

रवि और सरगुन ने एक्टिंग के साथ-साथ प्रोडक्शन की दुनिया में भी अलग पहचान बनाई है। दोनों ने साल 2019 में अपना प्रोडक्शन हाउस ‘ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट’ शुरू किया था। इसके बैनर तले कई टीवी शो और पंजाबी फिल्मों का निर्माण किया गया है। उनके चर्चित टीवी शोज में ‘उड़ारिया’, ‘स्वर्ण घर’ और ‘जुनूनियत’ शामिल हैं। इसके अलावा, दोनों ने पंजाबी फिल्मों में भी बतौर प्रोड्यूसर काम किया है। इनमें ‘काला शाह काला’, ‘सौकन सौकन’ और ‘सौकन सौकन 2’ जैसी फिल्में शामिल हैं।

‘अच्छा या बुरा तय करके किरदार नहीं निभा सकते’, बिरजू लोहार पर बोले मोहित मलिक

विश्व केसरी ■ मुंबई। अभिनेता मोहित मलिक ने क्राइम थ्रिलर फिल्म ‘मिर्जापुर: द मूवी’ में ‘बिरजू लोहार’ का एक दमदार और खतरनाक किरदार निभाया है। अभिनेता का मानना है कि एक एक्टर के तौर पर किसी भी किरदार को अच्छा या बुरा मानकर नहीं निभाया जा सकता है। मोहित मलिक ने बिरजू के बारे में बात करते हुए कहा, ‘बिरजू एक ऐसा किरदार है, जिसमें बहुत सारी कमियाँ हैं और वह कई बार गलत फैसले ले लेता है। यही बात उसे निभाने में दिलचस्प बनाती है। एक एक्टर के तौर पर हम किसी किरदार को सिर्फ यह तय करके नहीं निभा सकते कि वह अच्छा है या बुरा। हमें उसकी सोच, हालात और किस वजह से उसे इस तरह के फैसले लेने पड़ते हैं, यह समझना पड़ता है। भले ही हम किरदार के कामों से सहमत न हों, लेकिन एक एक्टर के तौर पर हमें उस किरदार के पीछे की वजह ढूँढनी पड़ती है और उसे भरोसेमंद बनाना पड़ता है।’

मोहित ने बताया कि बिरजू का किरदार निभाने में असली चुनौती क्या थी। मोहित ने कहा, ‘इस किरदार को निभाने की चुनौती यह थी कि इस किरदार को बिना जज किए ईमानदारी से निभाया जाए। मेरा मानना है कि दर्शक उन किरदारों से ज्यादा जुड़ते हैं, जो आम इंसान जैसे लगते हैं, अपनी कमियों, उलझनों और जटिलताओं के साथ। बिरजू के साथ मैं उसके कामों के पीछे छिपे इंसान को समझना चाहता था और उस सच्चाई को पर्दे पर लाना चाहता था। फिल्म में मोहित ने ‘बिरजू लोहार’ की भूमिका निभाई है, जो जैसलमेर के ड्रग लॉर्ड बब्बन यादव का वफादार है। उसके दिल में कालीन भैया के खिलाफ बरसों पुरानी दुश्मनी और ‘बीना भाभी’ (रसिका दुगल) के लिए गहरा प्यार छिपा है।

सृष्टि सिंह का तमिल डेब्यू, बोलीं- दर्शना सिर्फ मां नहीं, एक इंडिपेंडेंट महिला है

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म ‘जॉन डो’ से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं।

अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था। उन्होंने कहा, ‘जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। एक एक्टर के तौर पर आप अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं, खासकर ऐसे किरदार जो आपकी अपनी



जिंदगी और हकीकत से बिल्कुल अलग हैं।

उन्होंने आगे कहा, ‘यह किरदार मुझे इतना पसंद आया कि इसे निभाने की मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई।

हालांकि, मेरे साथ पहले ऐसा कभी हुआ नहीं है। मुझे पता था कि दर्शना को समझने, उसके अनुभवों को अपनाने और इस किरदार को अपना बनाने के लिए मुझे एक पूरी प्रोसेस से गुजरना होगा, जो

मेरे लिए काफी एक्साइटिंग रही।’

अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, ‘हमारी इंडस्ट्री में कई बार एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से एक ही तरह के रोल में डाल दिया जाता है, लेकिन दर्शना एक ऐसी मां है, जिसने अपने जीवन में बहुत कुछ झेला है और अपने परिवार, पति और बच्चों से जुड़ी कई चुनौतियों से जूझ रही है। उसकी अपनी परेशानियाँ और अपने तजुबे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि वह उनसे कैसे बाहर निकलती है। मेरे लिए दर्शना एक इंडिपेंडेंट महिला थी, जिसकी अपनी एक जर्नी है। मैंने उसे सिर्फ एक माँ के नजरिए से नहीं, बल्कि इसी नजरिए से समझने की कोशिश की।’

दर्शना एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है (जितना कोई सोच भी नहीं सकता), लेकिन इन सब दुखों के बावजूद वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी रहती है।

मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर : मनोज बाजपेयी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म ‘गजब रात’ में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं।

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। सिद्धा बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है।’

अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियाँ ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उनका पैसा नहीं लगाता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘ओटीटी के आने के बाद



महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है। मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने

बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, ‘उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है। फिल्म ‘गजब रात’ में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर ‘अजय निर्वित’ (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शांति पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किक्कु शारदा अहम भूमिकाओं में हैं।

‘मटरगश्ती’ में चारू का किरदार मिलने पर बोलीं सौम्या अनियाल, ‘डायरी में पहले ही लिख लिया था कैसा रोल और सीरीज चाहती हूँ’



विश्व केसरी ■

मुंबई। एक्टर सौम्या अनियाल इन दिनों सीरीज ‘मटरगश्ती’ में चारू के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। सौम्या के लिए यह रोल उनकी उस खाहिश के पूरा होने जैसा है, जिसे उन्होंने कभी अपनी डायरी में लिखा था।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने डायरी में विस्तार से लिखा था कि वह किसी सीरीज में काम करना चाहती हैं और उसमें किस तरह का किरदार निभाना चाहेंगी। जब उन्हें ‘मटरगश्ती’ में चारू का रोल मिला, तो उन्हें लगा कि जैसे उनकी लिखी इच्छा सच हो गई है।

आईएनएस से बातचीत में सौम्या ने अपने किरदार के बारे में बताया कि चारू को सिर्फ उसके बाहरी व्यवहार से समझना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ‘अगर आप चारू को ऊपर-ऊपर से देखेंगे, तो उसे आसानी से गलत समझ सकते हैं। कुछ माता-पिता तो उसे उस बुरी संगत की तरह देख सकते हैं,

जिससे वे अपने बच्चों को दूर रहने की सलाह देते हैं। लेकिन असल में वह ऐसी दोस्त है, जिसके अंदर बहुत प्यार, परवाह और अपनापन है। वह अपने दोस्तों को लेकर काफी प्रोटेक्टिव है और अपनी भावनाएं खुलकर जाहिर करती हैं। उसकी एक खूबी जो मैं अपने अंदर भी चाहूंगी, वह है उसका आत्मविश्वास और निडर अंदाज।’

सौम्या ने बताया कि इस सीरीज में काम करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा।

उन्होंने कहा, ‘मेरे पास एक डायरी थी, जिसमें मैंने लिखा था कि मैं किसी सीरीज में काम करना चाहती हूँ। मैंने उसमें काफी विस्तार से अपनी इच्छा लिखी थी और बताया था कि किरदार कैसा होना चाहिए और एपिसोड कितनी लंबाई के होने चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि एक तरह से मैंने इस मौके को अपनी सोच और बुरी संगत की तरह देख सकते हैं,

सीरीज में दिग्गज अभिनेता राजेश शर्मा के साथ काम करने के अनुभव पर भी सौम्या ने बात की। उन्होंने कहा, ‘राजेश ऐसे अभिनेता हैं, जिन्हें मैं कई सालों से अपना आदर्श मानती आई हूँ। उनका काम खुद उनकी प्रतिभा के बारे में बताता है। किसी भी किरदार में इतनी आसानी से ढल जाना वाकई तारीफ के काबिल है।’

वहीं, अपनी को-स्टार अद्रिजा सिन्हा के साथ अपने रिश्ते को लेकर सौम्या ने कहा, ‘पहली बार उनका काम देखकर मैं थोड़ी घबरा गई थीं। हमारी मुलाकात सीरीज के कॉस्ट्यूम ट्रायल के दौरान हुई थी और पहली ही मुलाकात में हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। शूटिंग के दौरान यह रिश्ता और गहरा होता गया। अब अद्रिजा मेरे लिए छोटी बहन जैसी हैं और मैं दिल से उनके अच्छे भविष्य की कामना करती हूँ।’ मटरगश्ती ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

अटलांटा पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिका ने समुद्री मार्गों, ऊर्जा और सप्लाई चेन पर दिया जोर

विश्व केसरी■
अटलांटा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को जी20 विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए अटलांटा पहुंचे। अमेरिका के अनुसार, इस बैठक में एनजी, सप्लाई चेन और समुद्री रास्तों को खुला रखने पर फोकस रहेगा। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो भारत के तेल, एलएनजी और उर्वरक आयात के लिए बेहद अहम हैं।

वे इस बैठक के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

बैठक से पहले अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ‘जरूरी संकटों से निपटने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बिना किसी खतरे या टोल के व्यापार के लिए खुला रखने का साझा संकल्प है। यह एनजी संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उतना ही उर्वरक और भोजन के लिए भी महत्वपूर्ण है।’

यह बैठक विदेश मंत्री माकों रबियो की मेजबानी में हो रही है। भारत दुनिया के सबसे



बड़े तेल आयातकों में से एक है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हो रहे व्यवधान के कारण भारत के लिए एनजी सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, ‘एनजी दुनिया भर में आर्थिक विकास की बुनियाद है और इसकी पहुंच सस्ती और भरपूर होनी चाहिए।’

अधिकारी ने कहा, ‘क्रिटिकल मिनरल्स

तरीकों की पहचान करने का अवसर प्रदान करेगी। ’

नई दिल्ली में बुधवार को इस दौरे की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, ‘विदेश मंत्री 30 से 31 अक्टूबर तक अटलांटा में होने वाली जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के दौरान, वे क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे और अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वॉंग ने कहा कि वह इस साल की तीसरी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अमेरिका, भारत और जापान के समकक्षों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ईयू के नेतृत्व वाले ‘नो फीस / नो टोल्स’ संकल्प में शामिल हो गया है, जो गैरकानूनी फीस और टोल का विरोध करता है, जो नेविगेशन की स्वतंत्रता को कमजोर करेगा और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा।

अधिकारी ने कहा, ‘अटलांटा में बातचीत एनजी और सप्लाई चेन चुनौतियों पर चर्चा करने और आर्थिक सुरक्षा पर भू-राजनीतिक तनाव के प्रभाव से निपटने के

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल प्रक्षेपणों पर चर्चा की

विश्व केसरी■
सोल। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के वरिष्ठ राजनयिकों ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत की। सोल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा हाल ही में दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के बारे में जानकारी साझा की और इस पर क्या प्रतिक्रिया दी जाए, इस पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ (जेसीएफ) के अनुसार, गुरुवार को उत्तर कोरिया ने वॉसान इलाके से ईस्ट सी (पूर्वी सागर) की ओर लगभग 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि पिछले दिन हथियारों के प्रदर्शन के दौरान उसने 600 मिलीमीटर वाले मर्टीपल रॉकेट लॉन्चर, टैंकिकल कूज मिसाइलें और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें दागीं।



मंत्रालय ने बताया कि सोल के विदेश मंत्रालय में कोरियाई प्रायद्वीप नीति के महानिदेशक बेक योंग-जिन ने अमेरिकी विदेश विभाग में पूर्वोत्तर एशिया के लिए उप सहायक सचिव डेविड विलेजेल और जापान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी अरियोशी के साथ बातचीत की।

मंत्रालय ने एक प्रेस व़िज्ञप्ति में कहा, ‘तीनों अधिकारियों ने जरूरी जानकारी साझा की और भविष्य की प्रतिक्रियाओं पर चर्चा की। इसमें आगे कहा गया, ‘जब भी उत्तर कोरिया बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च करता है, तो तीनों देशों के विदेश

मामलों के अधिकारी जानकारी और आकलन को तुरंत साझा करने के लिए एक चैनल का इस्तेमाल करते हैं।’

उत्तर कोरिया का यह ताजा मिसाइल परीक्षण सोल द्वारा व्योग्यांग को सैन्य वातां का प्रस्ताव देने के एक हफ्ते बाद हुआ है। इस वातां का उद्देश्य सीमा निर्धारण को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेदों को सुलझाना है। पिछले महीने ‘डिमिलिटराइज्ड जोन’ (डीएमजेड) के अंरर हुए एक लैंडमाइन विस्फोट में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे, जिसके संकेतों का दोनों देशों की सीमा पर तनाव बढ़ गया है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को प्रकाशित होगी

विश्व केसरी■
हैदराबाद। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ (एसआईआर) कार्यक्रम में फिर से बदलाव किए जाने के बाद अब इन राज्यों में अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी।

तेलंगाना के लिए चुनाव आयोग ने नोटिस जारी करने और दावों व आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा बढ़ाकर 26 नवंबर कर दी है। आंध्र प्रदेश में यह समय-सीमा 20 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। दोनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के अनुरोध पर इस कार्यक्रम में बदलाव किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को अलग-अलग भेजे गए संदेशों में आयोग ने उन्हें कार्यक्रम में कई बदलाव के अपने फैसले के बारे में



सूचित किया।

चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सभी अधिकारियों को इस बदले हुए कार्यक्रम के बारे में बताएं और उपलब्ध सभी माध्यमों से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। राजनीतिक दलों को भी लिखित रूप में इस संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी जानी चाहिए।

आयोग ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में कई बार बदलाव किया है। इससे पहले

तेलंगाना में नोटिस चरण और दावों व आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया के लिए समय-सीमा 5 नवंबर थी और अंतिम मतदाता सूची का जोड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

आंध्र प्रदेश में नोटिस चरण और दावों व आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा 22 अक्टूबर को समाप्त हो गई, जबकि अंतिम मतदाता सूची 30 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी थी।

एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले तेलंगाना में 3,38,26,448 मतदाता थे, जिनमें से 2,64,87,213 ने अपने विवरण फॉर्म जमा किए।

भूटान की हिमनद झील के फटने से बंगाल-असम में बाढ़ की चेतावनी

विश्व केसरी■

थिम्पू। उत्तर-पश्चिमी भूटान में शिंताफू झील के फटने से पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारी इन दोनों राज्यों की ओर बहने वाली नदियों के किनारे स्थित संवेदनशील इलाकों पर नजर रख रहे हैं।

यह घटना गुरुवार शाम भूटान के गासा जिले में हुई। इससे गासा त्साचू में मौजूद बुनियादी ढांचा बह गया। गासा त्साचू, मो खू नदी के पास स्थित एक लोकप्रिय प्राकृतिक गर्म पानी का स्रोत है। बाढ़ का पानी पहुंचने से पहले ही इस इलाके को खाली करा लिया गया था, इसलिए किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

मो खू नदी के उद्गम स्थल पर स्थित शिंताफू झील, भूटान की उन 17 हिमनद झीलों (ग्लेशियल लेक्स) में से एक है, जिन्हें



संभावित रूप से खतरनाक माना गया है। इससे पहले 26 अगस्त 2021 को भी गासा त्साचू को अचानक आई बाढ़ से भारी नुकसान पहुंचा था, जब उफान पर बह रही मो खू नदी ने अपना रास्ता बदलकर गर्म पानी के स्रोत की ओर रुख कर लिया था।

रिपोर्टों के अनुसार, बाढ़ का पानी पुनाखा जोंग से लगभग आठ किलोमीटर दूर, काबेसा गेवोग के श्रीगंग इलाके से आगे निकल गया है, जिससे नदी के निचले इलाकों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भूटान ने पश्चिम बंगाल और असम के प्रशासन को इस हिमालयी देश की सीमा से लगे जिलों के लिए संभावित खतरे के बारे में सतर्क कर दिया है। असम का धुबरी जिला और पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग पहाड़ियां, अलीपुरद्वार तथा जलपाईगुड़ी को संवेदनशील इलाकों के रूप में चिह्नित किया गया है।

पश्चिम बंगाल में, कूच बिहार प्रशासन ने संकोश नदी के किनारे रहने वाले लोगों को भी सतर्क कर दिया है।

वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य लगातार खंडित और विवादपूर्ण होता जा रहा है: विदेश सचिव मिस्त्री

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य तेजी से खंडित और संघर्षपूर्ण हो गया है। यूरोप और पश्चिम एशिया में टकराव चल रहे हैं, सप्लाई चेन को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, और महत्वपूर्ण तकनीकें दबाव बनाने के साधन बन गई हैं।

नई दिल्ली के मानेकशां सेंटर में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित ‘वीआईएसवी-2026’ (विजन, इन्वेषण, सिनर्जी, वैल्यूज) कार्यक्रम में बोलते हुए विदेश सचिव मिस्त्री ने बदलते भू-राजनीतिक माहौल और वैश्विक सुरक्षा के सामने बढ़ती चुनौतियों का जिक्र किया।

‘रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन, वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना’ विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विश्व सचिव विक्रम मिस्त्री शामिल हुए। इस दौरान मिस्त्री ने कहा,



‘आज डीआरडीओ द्वारा विदेशी रक्षा अतारो के लिए आयोजित पहले आउटरीच कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं इस पहले के लिए रक्षा मंत्रालय और डीआरडीओ की सराहना करता हूं।’

कई मित्र देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे विदेशी रक्षा अतारो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये सैनिक, नाविक और वायु सैनिक हैं, जिन्होंने कुछ समय के लिए राजनयिकों की भूमिका भी निभाई है। उन्होंने कहा, ‘संकेतों को समझने और अपने भारतीय समकक्षों के साथ व्यक्तिगत और संस्थागत विश्वास काम करने की आपकी क्षमता उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना कि आपके संबंधित मिशनों में आपके अन्य सहयोगियों द्वारा किया जाने वाला काम।’

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : राज्यपाल संतोष गंगवार

विश्व केसरी■
हजारीबाग। झारखंड के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ‘विकसित भारत’ के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। देश का उत्थान केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि शिक्षित, कुशल, जिम्मेदार



विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि उपाधि शिक्षा प्राप्त करने का प्रमाण है, लेकिन ज्ञान का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होता है कि उसका उपयोग समाज और देश के हित में किस तरह किया जाता है। विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपनी क्षमताओं का विकास करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आचार्य विनोबा भावे के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय के लिए उनके

जीवन और विचार प्रेरणा के स्रोत हैं। भूदान आंदोलन के माध्यम से विनोबा भावे ने मानवता, करुणा, सामाजिक सहयोग और न्याय का संदेश दिया था। उनके विचार बताते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना भी होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल सेवाओं, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यूपी में भाजपा की सरकार अंगद के पैर की तरह, 2027 में कोई नहीं हटा सकता

विश्व केसरी■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर सक्रियता तेज कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी



मौजूद रहे।

बैठक में अमित शाह के संबोधन के बाद पार्टी नेताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नेताओं ने तीसरी बार भाजपा सरकार बनने, यूसीसी

और 2027 चुनावों में अमित शाह की भूमिका पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, ‘अमित शाह जहां भी जाते हैं, वहां वे संगठनात्मक मामलों में

अपनी विशेषज्ञता और चुनावी गणित की गहरी समझ का परिचय देते हैं। वे जो भी भविष्यवाणी करते हैं, वह हमेशा सच साबित होती है। वे जिन भी राज्यों में गए हैं, वहां एकतरफा जीत मिली है। उनके यहां आने से हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त ऊर्जा का संचार हुआ है। मंत्री अनिल राजभर ने कहा, ‘केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय राजनीति के प्रमुख रणनीतिका आदरणीय अमित शाह ने आज घोषणा की है कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में लगातार

तीसरी बार सरकार बनाएगी।’ मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, ‘आज गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन से भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी ताकत और उत्साह मिला है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार ‘अंगद के पैर’ की तरह मजबूती से जमी हुई है – इसे 2027 में कोई नहीं हिला सकता।’ मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा, ‘देश के ‘लौह पुरुष,’ हमारे सम्मानित गृह मंत्री अमित शाह अपनी बात के पक्के हैं।’

280 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी की चार जगहों पर छापेमारी

विश्व केसरी■

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से शुक्रवार को 280 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर छापेमारी की गई है।

आरोप है कि झारखंड के एक पावर प्लांट से जुड़ी रकम को मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए कोलकाता भेजा गया था। ईडी की नजर उत्तरी कोलकाता के लेक टाउन इलाके में रहने वाले एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) पर है। सीए पर फर्जी कंपनियां (शेल कंपनियां) बनाकर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप है। कोलकाता के अलावा, हुगली जिले के उत्तरपारा, पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल और हावड़ा में भी



छापेमारियां चल रही हैं। ईडी के अधिकारी शुक्रवार सुबह उत्तरपारा की शिबतला स्ट्रीट में रहने वाले सुदीप्त घोष के घर पहुंचे। ईडी की जांच टीम के साथ केंद्रीय बलों के जवान भी मौजूद थे। सुदीप्त घोष पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है। उसके परिवार से पृष्ठछाछ की जा रही है और उसके घर की तलाशी ली जा रही है। हालांकि, सुदीप्त घोष का कहना है

कि उसका इस भ्रष्टाचार के मामले से कोई लेना-देना नहीं है। जांचकर्ताओं ने जांच के लिए अनुमति ले ली है और सुदीप्त घोष केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ सहयोग कर रहा है। ईडी के अधिकारियों ने लेक टाउन स्थित पॉश ‘अवनी ऑक्सफोर्ड (फेज 1)’ हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अशोक सारथी के घर पर भी छापेमारी की।

Discover the new meaning of pleasure

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

 City Kotwadi Road, Rajnathpara. Raipur.

 83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road

Bajnathpara, Raipur.

Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive,

Telibandha, Raipur

Mo: 83570 09997



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी

समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine, Diabetes & Geriatric Care)

उपलब्ध सेवाएँ:

- आयुर्विज्ञान (यूपीसी) उपचार
- सर्वांगीण चिकित्सा (वैद्यक चिकित्सा)
- सायनोलाइड चिकित्सा
- हार्ड कीफ्रीज (दुग्ध एवं दही समरूप)
- चिकित्सा व चिकित्सीय शोध
- केन्द्रीय की समरूप (असम, COVID)
- दुग्ध व दुग्धजन्य (दुग्ध, दही, घी)
- पेट की समस्याएँ (पित्त, अम्ल, पित्तबिंदी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- मधुमेह/मिथिल रोग (ग्लूकोज, इंसुलिन)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS, General Surgery)

उपलब्ध सेवाएँ:

- पादुका (बायोमि) का अप्रेशन
- चिकित्सा और फिजियुम का उपचार
- हार्मोन सर्जरी (इन्डुलेशन / कोमोलेन / एन्डोमेट्रीटिस)
- एपेंडिसाइटिस (अपेंडिसाइटिस) सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी (गर्भकालीन सर्जरी)
- हार्ड लॉन्ग / लॉन्ग प्रोस्टेस
- चिकित्सा उपचार / चिकित्सा विभाग
- हार्डलोन्ग / वॉल्यूमीन सर्जरी
- लैंगर एवं स्टैपल की सहायता से पादुका का इलाज

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD, Clinical Oncologist)

उपलब्ध सेवाएँ:

- कोलोरेक्टल
- गर्भकालीन सर्जरी
- हार्मोन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी
- गर्भकालीन सर्जरी

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है।, समग्र पर जांच जीवन और स्वास्थ्य सहेनी है।

शिविर विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine, Diabetes & Geriatric Care)

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD, Clinical Oncologist)

श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

हमारी सुविधाएँ:

- 24 घंटे अग्रिम शिविर
- सर्वांगीण चिकित्सा विशेषज्ञ
- आयुर्विज्ञान विशेषज्ञ
- इंसुलिन विशेषज्ञ
- 24x7 पैथोलॉजी और लैब
- 24x7 रेफरेंस और लैब
- 24x7 रेफरेंस और लैब

हमारी सुविधाएँ:

- 24 घंटे अग्रिम शिविर
- सर्वांगीण चिकित्सा विशेषज्ञ
- आयुर्विज्ञान विशेषज्ञ
- इंसुलिन विशेषज्ञ
- 24x7 पैथोलॉजी और लैब
- 24x7 रेफरेंस और लैब
- 24x7 रेफरेंस और लैब

श्री साई केयर हॉस्पिटल
0771-4020089
96300-67422

3 साल से शो पीस बनकर खड़ी है बंगला डोंगरी की पानी टंकी न बोर है, न बिजली, जल जीवन मिशन के नाम पर लाखों की गड़बड़ी

विश्व केसरी ■ **बकावंड (अर्जुन कुमार झा)।** केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' का मकसद हर घर तल-हर घर जल पहुंचाना है, लेकिन बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के ग्राम बंगला डोंगरी में यह योजना पूरी तरह दम तोड़ती नजर आ रही है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में करीब 3 साल पहले लाखों रुपये की लागत से पानी टंकी का निर्माण शुरू हुआ था। टंकी का बांजा तो खड़ा कर दिया गया, लेकिन उसके बाद काम बंद। आज स्थिति यह है कि टंकी में पानी भरने के लिए बोर खनन नहीं किया गया है, बिजली कनेक्शन आज तक नहीं लगाया गया है और मोटर पंप तो दूर, पैनल बोर्ड तक नहीं लगा है। पाइपलाइन बिछी तो है, पर उसमें पानी कभी बहा ही नहीं। नतीजा यह कि 60 लाख से ज्यादा की लागत से बनी टंकी पिछले 3 साल से सिर्फ शो-पीस बनकर खड़ी है। गांव के 200 से अधिक परिवार, सैकड़ों महिलाएं आज भी 1 से 2 किलोमीटर दूर नाले और पुराने हैंडपंप से पानी लाने को मजबूर हैं।

विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि पीएचडू विभाग के सब इंजीनियर और संबंधित

ठेकेदार की मिलीभगत से बिना काम पूरा मिलता है - ' ठेकेदार करेगा ', ठेकेदार से किए ही राशि आहरण कर ली गई है। जब पछो तो कहता है - ' विभाग से लाइट नहीं ग्रामीण विभाग के चक्कर लगाते हैं तो जवाब

लखेश्वर कश्यप ने खोला मोर्चा

इस गंभीर मुद्दे को लेकर सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कड़ा रख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि बंगला डोंगरी जैसे आदिवासी बहुल गांवों में जल जीवन मिशन का पैसा बर्बाद हो रहा है। यह आदिवासी अंचल के साथ सीधा धोखा है। 3 साल से टंकी में लाइट तक नहीं लगा पा रहे, बोर तक नहीं करा पा रहे, तो पैसा किस बात का ? इसकी निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। चाहे वो पीएचई विभाग का कोई भी अधिकारी हो या ठेकेदार, जो भी दोषी पाया जाए उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। हम इसकी शिकायत कलेक्टर बस्तर से करेंगे। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके पर तकनीकी टीम भेजकर भौतिक सत्यापन किया जाए। टंकी में बोर खनन और बिजली कनेक्शन का काम 15 दिन में पूरा किया जाए। लापरवाह ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर भुगतान रोका जाए। जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। अब देखा होगा कि खबर प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन और पीएचई विभाग नौद से जागता है या बंगला डोंगरी के लोग ऐसे ही प्यासे रह जाएंगे ?

3 नवंबर को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

विश्व केसरी ■ **चारामा (संदीप मेश्राम)।** छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के संगठन सचिव ओम प्रकाश साहू एवं जिला साहू संघ जिला कांकेर के चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ योगेंद्र कुमार साहू एवं ग्राम पंचायत के सरपंच कुमार कुमार तेता के संयुक्त तत्वावधान में द्वारा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिनांक 3 नवंबर 2026 दिन मंगलवार समय शाम 3 बजे से स्थान स्कूल मैदान गोल कुम्हरण चारामा जिला कांकेर उत्तर बस्तर छत्तीसगढ़ में रखा गया है। जिसमें निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डॉ अकांक्षा साहू स्वर्ण सर्जन लेपेस्कोपी के नेतृत्व मे

राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ विकास कुमार साहू कार्यकारणीय सदस्य डॉ जीवन लाल साहू डॉ यशस्वी साहू डॉ यमक साहू के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांच और इलाज करेंगे जिसमें राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डॉ अकांक्षा साहू सर्जन स्त्री रोग विशेषज्ञ लेप्रोस्कोपी ने सर्वांगीण कैंसर बेस्ट कैंसर माहवारी मासिक धर्म महिलाओं को अनेकों प्रकार की बीमारियों के लक्षण और बीपी सुगर जांच के साथ-परामर्श देंगे साथ ही साथ इसके बचाव के बारे में विस्तार रूप से जन जागरूकता के लिए जानकारी देंगे इसी तरह सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निशुल्क जांच कर दवाई भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम पंचायत के समस्त पंच एवं ग्रामवासी और जिला साहू संघ कांकेर के चिकित्सा प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगे हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम पंचायत के समस्त पंच एवं ग्रामवासी और जिला साहू संघ कांकेर के चिकित्सा प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगे हैं।

चारामा में जमीन की दो बार बिक्री

विश्व केसरी ■ **चारामा (संदीप मेश्राम)।** नेशनल हाईवे चौड़ीकरण एवं बाईपास निर्माण के चलते बीते दो वर्षों से चारामा, कांडेला और करी क्षेत्र में जमीनों की रजिस्ट्री पर शासन स्तर से प्रतिबंध लगा हुआ है। इसी स्थिति की आड़ लेकर जमीन के दोहरे बयाने और लाखों की धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्रार्थी से 7 लाख रुपये बयाना लेने के बाद जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई। पिछले 8-9 महीनों से अपनी गाड़ी कमाई की वापसी के लिए भटक रहे पीड़ित को जब भूमि स्वामी स्व. पोषण लाल थाने से केवल एनसीआर काटकर उसे विधिवत लिखा-पढ़ी व डरका दिया गया, तब पीड़ित ने

अनुविभागीय दंडाधिकारी जनदर्शन में आवेदन देकर आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करने तथा बयाना राशि 7 लाख रुपए तत्काल वापस दिलाने की मांग की है।

चेक और नगद देकर किया था बयाना, रजिस्ट्री बंद होने से रुका था बैनाना - शिकायतकर्ता विष्णु सोनकर (निवासी चारामा) द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अनुसार, ग्राम जैसाकर्ग स्थित खसरा क्रमांक 390/3, रकबा 20 डिसमिल (0.0960 हेक्टेयर) भूमि क्रय करने हेतु उन्होंने मूल भूमि स्वामी स्व. पोषण लाल राठौर से विधिवत लिखा-पढ़ी व डरकारनामा किया था।

जनपद सभापति चिंताराम साहू के साथ दशहरा उत्सव में दुर्घटिवहार

विश्व केसरी ■ **कांकेर (सीताराम शर्मा)।** विकासखंड चारामा के हल्बा पुलिस चौकी में पदस्थ चौकी प्रभारी दीपा सिंह कंवट और एसआई चेतन साहू के खिलाफ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने गंभीर शिकायतें की हैं। दोनों पुलिस अधिकारियों पर कथित रूप से अभद्र व्यवहार करने, अवैध वसूली और रिपोर्ट दर्ज करने सहित अन्य कार्यों के एवज में पैसों की मांग करने के आरोप लगाए गए हैं।

इस संबंध में भाजपा मंडल हाराडुला के अध्यक्ष हेम मंडावी, जनपद पंचायत चारामा के सभापति एवं जनपद सदस्य चिंताराम साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कांकेर के नाम अलग-अलग

जापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। जनपद सदस्य एवं सहकारिता तथा उद्योग सभापति चिंताराम साहू ने अपने ज्ञान में अन्य कार्यों के एवज में पैसों की मांग करने के गुंहा ग्राम अंदर में आयोजित ऐतिहासिक दशहरा महोत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पहुंची हल्बा चौकी प्रभारी दीपा सिंह कंवट ने ड्यूटी छोड़कर उनके साथ सार्वजनिक रूप से अभद्र व्यवहार किया और अपमानित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चौकी प्रभारी द्वारा पैसों की मांग की गई तथा मांग पूरी नहीं होने पर उन्हें देख लेने की धमकी दी गई। घटना के दौरान ग्राम के कई लोग मौजूद थे।

वहीं भाजपा मंडल हाराडुला के अध्यक्ष हेम मंडावी ने भी पुलिस अधीक्षक को जापन सौंपकर चौकी प्रभारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चौकी प्रभारी द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ उचित समन्वय नहीं बनाया जा रहा है।

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी जिले के 78,973 किसानों के खातों में पहुंची राशि

विश्व केसरी ■ **कांकेर (सीताराम शर्मा)।** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त की राशि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से देशभर के पात्र किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से अंतरित की गई। इस किस्त के तहत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को 2,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। देशभर में 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई।

इस अवसर पर कांकेर जिले में जिला स्तरीय पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, सिंगारभाट में किया गया। कार्यक्रम में सांसद भोजराज नाग, विधायक कांकेर आशाराम नेताम, कलेक्टर

कुन्दन कुमार एवं एसपी शामिल हुए। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिले के कुल 78 हजार 973 पंजीकृत किसानों को 24वीं किस्त के तहत लगभग 16 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। पिछली किस्त की तुलना में इस बार जिले में 1,114 अधिक किसान लाभान्वित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान पंजीकृत किसानों को 24वीं किस्त किसानों के लिए दीपावली से पहले एक महत्वपूर्ण सौगात है। इसे किसानों के लिए छोटी दीपावली के

रूप में भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने, कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सब्सिडी एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि कम पानी में बेहतर उत्पादन के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना, जल संरक्षण करना और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई प्रणालियों का उपयोग करना आवश्यक है, जिसका उपयोग किसान कर सकते हैं। विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की जरूरतों एवं समस्याओं को लेकर संवेदनशील हैं।

भानपुरी थाना पुलिस के हथ्थे चढ़ा शातिर चोर

विश्व केसरी ■ **जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)।** बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को भानपुरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोटर साईकिलों समेत 1 लाख 31 हजार रुपए की संपत्ति बरामद की गई है।

बस्तर जिले में चोरी करने वाले लोगों की धर पकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के निर्देशन तथा एसडीओपी भानपुरी संगम राम के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के तहत भानपुरी थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी खड़ी मोटर साईकिलों और दुकानों से सामान चुराने में माहिर है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की दो बाइक समेत कुल 1 लाख 31 हजार रुपए का माल बरामद किया गया है। भानपुरी थाने के निरीक्षक हर्षकुमार धुरंधर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक कमलेश्वर प्रजापति के नेतृत्व में गठित टीम ने यह सफलता हासिल की है। सिंचाई कालोनी करंदोला निवासी प्रार्थी शुभम गुप्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19

अक्टूबर की दरम्यानी रात में उसकी पैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक सीजी 17- केआर 0143 को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान भानपुरी एवं आसपास के गांव वालों से चोरी के संबंध में पूछताछ की गई तो पता चला कि करंदोला छेपड़ापारा निवासी सागर कश्यप एक बिना नंबर वाली पैशन प्रो बाइक चला रहा है और उस बाइक का वाइजर टूटा हुआ है। संदेही सागर कश्यप से पूछताछ करने पर गोल मोल जवाब देने लगा, गहनता से पूछताछ करने पर पैशन प्रो मोटर सायकल को सिंचाई कालोनी करंदोला से चोरी करना स्वीकार किया गया।

स्वाध्यायी गडबन्ध मोडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंद रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गावडी नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए व्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251